INTERNATIONAL RIVERS
PEOPLE · WATER · LIFE

सामुदायिक जल प्रशासन कार्यशाला

प्रशिक्षक मार्गदर्शिका

December 2021

समुदायिक जल प्रशासन कार्यशाला – प्रशिक्षक मार्गदर्शिका – दिसंबर 2021

इंटरनेशनल रिवर्स के बारे में
इंटरनेषनल रिवर्स नदियों का संरक्षण करती हैं और उन पर निर्भर समुदायों के अधिकारों की जनवकालत करती हैं। हम एक ऐसी दुनिया चाहते हैं जहां स्वस्थ नदियों और स्थानीय नदी समुदायों के अधिकारों को महत्व दिया जाए और उनका संरक्षण किया जाए। हम एक ऐसी दुनिया की कल्पना करते हैं जहां पानी और ऊर्जा की जरूरतें प्रकृति को खराब किए बिना या बढ़ती गरीबी के बिना पूरी की जाती हैं, और जहां लोगों को उनके जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों में भाग लेने का अधिकार है।

यह रिपोर्ट दिसंबर 2021 में इंटरनेशनल रिवर्स द्वारा प्रकाशित की गई थी।

लेखकः सबरीना के ग्योरवरी
डिजाइन और लेआउटः एस्पायर डिजाइन
अनुवादः राजेश कुमार

अस्वीकरणः इस प्रकाशन में व्यक्त विचार आवश्यक रूप से ट्रोसा कार्यक्रम के विचार नहीं हैं।
344 20वीं स्ट्रीट
ओकलैंड सीए 94612, यूएसए
दूरभाषः +1 510 848 1155
www.internationalrivers.org

अनुक्रम

परिचय		3
मॉड्यूल 1	परिचय, साझा मूल्य, जल संसाधन मानचित्रण	5
मॉड्यूल 2	हमारी नदियो का पारिस्थितिक तंत्र	9
मॉड्यूल 3	हमारी नदियो के पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन, शक्ति के स्रोत	12
मॉड्यूल 4	जल संसाधन प्रशासन में लिंग और सत्ता	15
मॉड्यूल 5	सामुदायिक संसाधनों का प्रतिचित्रण	19
मॉड्यूल 6	जल अवसंरचना परियोजनाओं के फायदे और नुकसान	23
मॉड्यूल 7	जल प्रशासन में एक्टर और उनकी रुचियॉ	28
मॉड्यूल 8	क्षेत्र भ्रमण की तैयारीः समुदाय नेतृत्व शोध कौशल	32
मॉड्यूल 9	जल संसाधन प्रशासन का क्षेत्र भ्रमण	36
मॉड्यूल 10	क्षेत्र भ्रमण की प्रस्तुतियाँ, सीमा पार जल प्रशासन	38
मॉड्यूल 11	जल प्रशासन नाटक, भविष्य की योजनाएं, मूल्यांकन	41

परिचय

यह सामुदायिक जल प्रशासन पाठ्यक्रम समुदाय की जानकारी और नदियों की समझ को मजबूत करना और जल प्रशासन योजनाओं में निर्णय लेने की प्रकियों में सहभाग करना एवं उसे प्रभावित करने हेतु स्थानीय क्षमता को बढ़ाने के लिए बनाया किया गया है।

पाठ्यक्रम एक अधिकार–आधारित दृष्टिकोण अपनाता है। विशेष रूप से महिलाओं, मछुआरों और अन्य पारंपरिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए जल संसाधनों तक समान पहुंच पर जोर देता है। कार्यशाला को समावेशी विकास प्रक्रियाओं के आधार पर तैयार किया गया है। यह सहभागी के लिए एक खुला और उचित वातावरण तैयार करता है जिससे वे एक साथ आकर समरूपता से जल संसाधनों की सामुदायिक पहुंच पर चर्चा करे।

यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विशेष रूप से सामुदायिक स्तर पर उपयोग के लिए तैयार किया गया है और इसकी अधिकांश गतिविधियों के लिए न्यूनतम साक्षरता की आवष्यकता है। प्रशिक्षण शैली स्पष्ट है, जिसका उद्देश्य सहभागियों के ज्ञान, कौशल और अनुभवों को सीखने और चर्चा के लिए बाहर निकालना है। प्रशिक्षक प्रश्न पूछकर चितंन और विश्लेषण का एक ढांचा देता है जिससे सहभागियों रचनात्मक रूप से सामान्य मुद्दों को से संबोधित करते है। यह दृष्टिकोण सहभागियों और प्रशिक्षको को स्थानीय जरूरतों पर उनके प्रयासों की पहचान करने और ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। और उनके विशिष्ट सांस्कृतिक संदर्भ में प्रशिक्षण सामग्री को अपनाता है। प्रक्रिया में विषय वस्तु पर जोर दिया गया है। प्रशिक्षण पद्धति का उद्देश्य संबंध और ऐसी प्रक्रियाओं को विकसित करना है जो कार्यशाला से परे कायम रह सकें।

पाठ्यक्रम में ग्यारह मॉड्यूल शामिल हैं। लेकिन कुछ गतिविधियां एकल आधार पर भी की जा सकती हैं। प्रत्येक मॉड्यूल पिछले सत्र के दौरान सीखे गए पाठों पर आधारित है, और इस प्रकार एक निरंतर श्रृंखला के रूप में सर्वोत्तम तरीके से प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रत्येक मॉड्यूल का समय सुबह से दोपहर तक प्रतिदिन आठ घंटे का रखा गया है। यदि आपकी कार्यशाला का समय अलग है तो कृपया इस मूल प्रारूप को ध्यान में रखें: 1.5 घंटे की गतिविधियाँ, 15 मिनट का अवकाष, 1.15 घंटे की गतिविधियाँ, 1.5 घंटे का भोजन अवकाष। इसी क्रम को दिन में दो बार तक दोहराया जा सकता है। कई शोध में बताया गया है कि सहभागी या शिक्षार्थी एक दिन में कुल 5–6 घंटे ही आपना ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होते हैं। न्यूनतम औपचारिक शिक्षा अनुभव वाले सहभागियों के साथ काम करते समय यह याद रखना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। कार्यशाला कार्यक्रम जोडनें से सहभागियों की सीखने की क्षमता और समूह के हौसले पर असर करेगा।

मॉड्यूल 1 :	परिचय, साझा मूल्य, जल संसाधन मानचित्रण
मॉड्यूल 2 :	हमारी नदियो का पारिस्थितिक तंत्र
मॉड्यूल 3 :	हमारी नदियो के पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन, शक्ति के स्रोत
मॉड्यूल 4 :	जल संसाधन प्रशासन में लिंग और सत्ता
मॉड्यूल 5 :	सामुदायिक संसाधनों का प्रतिचित्रण
मॉड्यूल 6 :	जल अवसंरचना परियोजनाओं के फायदे और नुकसान
मॉड्यूल 7 :	जल प्रशासन में एक्टर और उनकी रुचियॉं
मॉड्यूल 8 :	क्षेत्र भ्रमण की तैयारी: समुदाय नेतृत्व शोध कौशल
मॉड्यूल 9 :	जल संसाधन प्रशासन का क्षेत्र भ्रमण
मॉड्यूल 10 :	क्षेत्र भ्रमण की प्रस्तुतियाँ, सीमा पार जल प्रशासन
मॉड्यूल 11 :	जल प्रशासन नाटक, भविष्य की योजनाएं, मूल्यांकन

प्रशिक्षक हेतु सुझाव

- ☑ सहभागियों द्वारा कार्यशाला के पहले दिन ही पहचाने गए साझा मूल्यों के समूह पर आधारित है। पूरी कार्यशाला के दौरान कक्षा के सामने साझा मूल्यों की सूची लगाकर रखें, दिन में एक बार और जब भी समस्या उत्पन्न होती हैं तो मूल्यों का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए चेक करे।

- ☑ प्रशिक्षक और सहभागियों के बीच बराबरी के दर्जे को बनाये रखने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करें। इस बात पर जोर दे कि हर कोई एक दूसरे से सीखने के लिए यहां है। यह अनौपचारिक रोज़मर्रा की भाषा का उपयोग करके और पूरे दिन एक साथ खुले और मैत्रीपूर्ण रहकर किया जा सकता है।

- ☑ टीम के सभी सदस्यों के साथ समान शक्ति व्यवहार का मॉडल बनाना सुनिश्चित करें सम्मान के साथ जिसमें प्रशिक्षक सहित रसोइया, ड्राइवर, सफाई कर्मचारी और समुदाय के सदस्य भी षामिल रहे।

- ☑ समूह की सक्रियता का लगातार निरीक्षण करें, और समूह के हितों और ऊर्जा स्तर को बनाये रखने हेतु गतिविधियाँ और कार्यक्रम को अनुकूलित करने के लिए तैयार रहें।

- ☑ मात्रा से अधिक गुणवत्ता पर जोर दें – धीरे करना बेहतर है। सुनिश्चित करे कि प्रत्येक सहभागी पूरी तरह पहले समझे और उसके बाद निर्धारित सभी गतिविधियों को समय पर पूरा करे।

- ☑ ऐसा माहौल बनाएं जो महिलाओं, युवाओं और अन्य हाशिए के समूहों को खुद से व्यक्त करने हेतु प्रोत्साहित करे, और पारंपरिक रूप से नेतृत्व की भूमिका में रहने वाले समूहों को गहन सुनने के कौशल का अभ्यास करने के लिए प्रशिक्षित करे।

- ☑ सहभागियों के बीच संघर्ष सीखने की प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा है। इस पर ध्यान दें, और इस संघर्ष को बदलाव कौशल में ढालनें का एक अवसर मानें।

- ☑ यदि संभव हो तो इस कार्यशाला का आयोजन किसी नदी के समीप करना ही सर्वोत्तम है, ताकि प्रतिभागी नदी पारिस्थितिकी तंत्र पर संवाद करे और स्थानीय समुदाय और जल संसाधनों के बीच उनके संबंधों के बारे में जान सके।

मॉड्यूल 1

परिचय, साझा मूल्य, जल संसाधन मानचित्रण

उद्देश्य :

- एक दूसरे को जाना और आत्म सम्मान एवं आत्मविश्वास का निर्माण करना
- कार्यशाला के लक्ष्यों को साझा करना
- समूह कार्य के लिए साझा मूल्य और मूलभूत नियम स्थापित करना
- बेहतर संवाद कौशल का अभ्यास करना
- समुदाय के साझा जल संसाधनों का संक्षिप्त विवरण देना

सामग्री :

- बोर्ड
- मार्कर
- रंगीन पेन और पेंसिल
- ड्राइंग पेपर
- पोस्टर पेपर

9:00-9:15 प्रशिक्षको का परिचय – अपनी कहानी बताएं कि आप यहां कैसे जुडें।

9:15-9:20 अनुभवात्मक, सहभागी केन्द्रित शिक्षा शैली का अर्थ स्पष्ट करें। जितना संभव हो सके हम सहभागियों के अनुभव का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहते हैं, ताकि लोग एक दूसरे से सीख सकें और जिसको वे पहले से जानते हैं और उसका अभ्यास कर रहे हैं उसको आगे बढ़ा सकें। हमारे साझा लक्ष्यों की दिशा में एक साथ मिलकर व्यावहारिक तरीको पर हम प्रशिक्षण के दौरान छोटे समूह मे बहुत काम करेंगे।

9:20-9:45 प्रत्येक सहभागी को बड़ें कार्ड पर अपना नाम लिखने के लिए बताये। प्रत्येक सहभागी कक्षा को अपना नाम बताये, कहाँ से हैं, किसने उन्हें यह नाम दिया और उनके नाम का अर्थ क्या है। (नोटः यह गतिविधि प्रत्येक सहभागी की सांस्कृतिक पहॅचान और व्यक्तिगत इतिहास के लिए सम्मान की भावना रखते हुये कार्यशाला शुरू करती है)।

9:45-10:15 चित्र खेलः प्रतिभागियों से पूछें कि एक दूसरे के बारे में वे सबसे ज्यादा क्या जानना चाहेंगे। आम तौर पर सहभागीयों की ओर से मजेदार और गंभीर दोनों ही सवाल एक साथ आते हैं। सहभागियों को दो दो की जोड़ी बनाने के लिए आमंत्रित करें और एक दूसरे के बारे मे जानने ने के लिए कहें। फिर रंगीन पेन और कागज दें, अब सहभागियों को पेपर पर नीचे देखे बिना केवल एक दूसरे के चेहरे को देख कर चित्र बनाने के लिए बताए है। प्रत्येक सहभागी ने इस गतिविधी से क्या सीखा उसके आधार पर अपने मित्र का परिचय कक्षा से कराने हेतु आमंत्रित करें और अपने चित्रों को दीवार पर लगा दे। (ध्यान दें चित्र मज़ेदार लगेंगे– यह सहभागियों की हिजक को तोड़ने और माहौल को सकारात्मक बनाने में मदद करता है।)

10:15-10:30 **कार्यशाला के लक्ष्यों का परिचय दें:**

- साझा जल संसाधनों के महत्व को जानना
- पानी के संसाधनों तक समुदाय की पहुंच पर चर्चा करने हेतु एक खुला वातावरण तैयार करना
- जल संसाधनों पर निष्पक्ष पहुंच पाने में समुदाय के सामने आने वाली किसी भी चुनौती की पहचान करना
- राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय जल प्रशासन संरचनाओं के बारे में जानना
- स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति के सिद्धांतों के बारे में जानना
- जल संसाधन प्रशासन में प्रमुख हितधारकों और निर्णयकर्ताओं की पहचान करना
- जल संसाधन प्रशासन में अधिक से अधिक भागीदारी की जनवकालत करने का अभ्यास करना
- सतत जनवकालत की योजना विकसित करना

10:30-10:45 **अवकाश**

10:45-10:50 **ऊर्जावान गतिविधी**

एक बड़े घेरे में खड़े होने के लिए प्रतिभागियों को बतायें। निम्नलिखित श्रेणियों को थोडी उच्ची आवाज में बोलेः और उन सभी को आमंत्रित करें जिनके लिए यह सच है ताकि वे सर्कल मध्य में भागे और एक दूसरे को ताली दे।

- आप पहले कभी किसी कार्यषाला में नहीं गए हैं।
- यदि आपने इससे पहले कभी सामुदायिक जल प्रशासन के बारे में बात नहीं की है।
- आप इस कार्यशाला में शामिल होने से घबराते हैं।
- कभी आपको बहुत उबाऊ कक्षा या कार्यशाला में बैठना पड़ा है।
- आप सामुदायिक जल प्रशासन के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।
- आप सीखना पसंद करते हैं।

10:50-12:00 **साझा मूल्य और मूलभूत नियम**

इस तथ्य पर चर्चा करें कि एक अच्छे जल संसाधन प्रशासन को ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है जिनके पास सकारात्मक बदलाव की वकालत हेतु एक साथ आने के लिए साझा मूल्यों का समूह हो। संसाधन प्रशासन में कई अलग–अलग समूहों की भागीदारी शामिल है। साझा लक्ष्यों और सामान्य दृष्टिकोण की दिशा में काम करने के लिए विभिन्न रणनीतियों और गतिविधियों का उपयोग कर रहे है।

विचार–मंथन करें कि समूह के लिए कौन से मूल्य महत्वपूर्ण हैं। सहभागियों को मुख्य शब्दों जोर से उच्चारण करने हेतु आमंत्रित करे। प्रशिक्षक उन्हें बोर्ड पर लिखे है। सहभागी से पूछकर पुष्टि करे कि इन साझा मूल्यों से वे सहमत हैं।

मूलभूत नियम निर्धारित करें: यह देखते हुए कि ये हमारे साझा मूल्य हैं सहभागियों से पूछें कि क्या हमें कार्यशाला हेतु कुछ बुनियादी नियमों की आवश्यकता है ताकि हमारे मूल्यों का सम्मान सुनिश्चित किया जा सके। सहभागियों से नियम प्रस्तावित करने के लिए कहें, उन्हें पोस्टर बोर्ड पर लिखें और उसे ऐसी जगह पर लगाये जहां से हर कोई कार्यषाला के दौरान पढ व देख सके। सहभागियों से पूछें कि अगर इन नियमों का सम्मान नहीं होगा तब हमें क्या करना चाहिए, और किसके पास इसके समाधान की शक्ति होनी चाहिए। (नोटः यदि समय अनुमति देता है तो आप मूलभूत नियम पर विचार–मंथन करने के लिए सहभागियों के छोटे समूह बना सकते हैं। और फिर उन्हें अपने सुझाव बड़े समूह के सामने प्रस्तुत करने के लिए वापस आमंत्रित करें। प्रमुखरूप से यह सुनिश्चित करना है कि उपर से नीचे वाले एक पारंपरिक दृष्टिकोण के बजाय सहभागी कार्यषाला के मूलभूत नियम लोकतांत्रिक शैली में निर्धारित करे।)

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1:30-2:00 **संवाद प्रणाली**

- सुबह के मूलभूत नियमों का जिक्र करते हुए, एक निष्पक्ष और सम्मानजनक समूह प्रक्रिया के लिए अच्छी संवाद प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दें। संवाद एक कौषल है जिसको कोई भी एक सही संवादक बनने के लिए सीख सकता है।
- अच्छी संवाद प्रणाली पर मंथन करें। किसी व्यक्ति के बारे में सहभागियों को सोचने के लिए कहें किकिससे बात करना वास्तव में आसान है, और वह बहुत खुलेमन का है – वे किस तरह की चीजें करते हैं जिससे उनसे बात करना आसान लगता है ?
- विभिन्न संस्कृतियों में संवाद प्रणालियों पर चर्चा करें और आपकी संस्कृति में कौनसे व्यवहार सही और खराब संवाद के रूप मे माने जाते है (जैसे आँखों का मेल संपर्क, छुना, निजी स्थान, बाधा डालना, आदि)।

सुनने के सही और गलत प्रणाली

- एक समूह के रूप में सुनने के सही और गलत प्रणालियों की एक सूची पर विचार–मंथन करें।
- दो स्वेच्छिक सहभागी से सुनने की गलत प्रणाली दिखाने के लिए कहें। एक आसान विषय दें जैसे कि एक से कहे कि इस बारे में बात करे उसने पिछले सप्ताह में क्या किया और दूसरे से कहे कि आप कोशिश करे कि जितना खराब तरीके से आप सुन सकते सुने। (यह आमतौर पर बहुत हँसी का माहौल पैदा करेगा)। फिर उन्हें सही सुनने के तरीको प्रस्तुत करने के लिए कहे या दो नए स्वेच्छिक सहभागियों को आमत्रिंत करने के लिए कहें।
- सुनने के सही प्रणाली का अभ्यास करें: छात्रों को जोड़ी बनाने और बारी–बारी से निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए कहे : आपको अपने समुदाय के बारे में सबसे ज्यादा क्या पसंद है? जब एक उत्तर दे रहा हो, तब दूसरे को पूरे ध्यान व गहराई से सुनने का अभ्यास करना चाहिए। बीच मे बाधा न डाले या जोड़ना नहीं जब तक वक्ता आपनी बात को समाप्त न कर दे। प्रत्येक प्रतिभागी को बोलने के लिए पाँच मिनट का समय दें।
- चिंतन और समीक्षा – इस अभ्यास से आपने क्या सीखा, आपको सुनने में कैसा लगा साझा करें ?

(नोट– प्रशिक्षक को ध्यान रखना है कि क्या समूह को अच्छा संवाद स्थापित करने में कठिनाई हो रही है तो कृपया संसाधनों के तहत नीचे अतिरिक्त गतिविधियों को भी देखें। इन गतिविधियों का उपयोग किसी भी समय संघर्ष या शक्ति असमानता की स्थिति पैदा होने पर दोबारा समूह के भीतर साझा मूल्यों और मूलभूत नियमों को स्थापित करने के लिए किया जा सकता है।)

2:00-4:00 **जल संसाधन मानचित्रण**

- पोस्टर पेपर के कई बड़े टुकड़ों की एक साथ पट्टी बनायें और उन्हें ज़मीन पर रख दें। सभी को उसके आसपास इकट्ठा होने के लिए आमंत्रित करें। क्रेयॉन, रंगीन पेंसिल, या रंगीन मार्कर वितरित करे।
- जानकारी दें कि हम समुदाय के जल संसाधनों के बारे मे चर्चा करने जा रहे हैं। किसी एक स्वेच्छिक सहभागी को समुदाय की रूपरेखा तैयार करने के लिए कहें, और उसमे स्थानीय जल संसाधनों जैस नदी, झील, तालाब, आदि को जोड़ने के लिए भी कहे।
- इसके बाद, सभी को यह सोचने के लिए आमंत्रित करें कि ये संसाधन समुदाय के लिए कैसे महत्वपूर्ण हैं। और निम्नलिखित को समुदाय की रूपरेखा मे षामिल कर सचित्र स्पष्ट करें: मछली पकड़ने के क्षेत्र, नदी परिवहन मार्ग, शंख और खाद्य जलीय पौधे संग्रह का क्षेत्र, नदी तट उद्यान, सिंचाई की नहरें, स्नान के क्षेत्र, कपड़े धोने के

क्षेत्र, पीने के पानी के क्षेत्र, आध्यात्मिक क्षेत्र, औपचारिक स्थल, संस्कार क्षेत्र, संभावित खतरे वाले क्षेत्र (बाढ़ संभावित, खतरनाक उतार और भँवर), मछली संरक्षण क्षेत्र, वे क्षेत्र जहाँ जानवर चरते हैं, क्षेत्र जहां बच्चे तैरते और खेलते हैं, मौसमी द्वीप और रेत के किनारे आदि। सहभागियों के चित्र बनाते हुए वैसे ही प्रश्न पूछकर उन्हें संकेत दें कि वे अपने दैनिक जीवन में जल संसाधनों का उपयोग कैसे करते हैं।

- नोटः क्या आप किसी एक समूह को हावी होते हुए देख रहे है। उदाहरण के लिए पुरुष या बड़ें, उन्हें चित्र में अपना योगदान समाप्त करने के लिए समय दें, फिर उन्हें विनम्रतापूर्वक सें एक तरफ जाने के लिए कहें ताकि महिलाऐं या युवॉ अपना योगदान दे सके। क्या एक बड़ा समूह होना चाहिए? आप महिलाओं, पुरुषों और युवाओं को अलग–अलग चित्र बनाने के लिए कह सकते हैं फिर वापस प्रस्तुत करने के लिए बुलायें।
- जब नक्षा या रूपरेखा लगभग पूरा हो जाए तब उसे दीवार पर लगावायें। फिर निम्नलिखित समूहों के प्रत्येक प्रतिनिधियों से नदी के नक्शे पर उनके सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र पर इंगित करने के लिए कहेः महिलाएं, पुरुष, युवा, मछुआरे, किसान, गृहिणी, व्यापारी, नाव चालक आदि।
- विभिन्न तरीकों की बहुलताऐं जिसमें महिला, पुरुष, युवा, किसान, मछुआरे द्वारा स्थानीय जल स्रोत को देखने और उन संसाधनों का उपयोग करने पर बल देते हुये गतिविधि को सारांशित करें।
- सहभागियों को बताये कि पूरी कार्यशाला के दौरान हम चित्र को संदर्भ के लिए रखेंगे ताकि वे चित्र में और चीजें जोड़ना जारी रखे सकें जो वे इस चित्र में बनाने से चूक गए हों।

4:00-4:15 **समापनः** पहले दिन के बाद अपनी भावनाओं को साझा करने हेतु सहभागियों को आमंत्रित करें और जो सीखा गया उसे संक्षिप्त में रखें।

4:15-4:30 एक या अधिक सहभागियों को एक ऐसा गीत साझा करने के लिए बुलाये जो उनके समुदाय की भावनाओं को व्यक्त करता हैं।

मॉड्यूल 2

हमारी नदियों का पारिस्थितिक तंत्र

उद्देश्य:

- नदियों पर निर्भर जीवन के सभी पहलुओं पर विचार करने हेतु प्रेरित करना और मानव गतिविधिओं से वे कैसे प्रभावित हैं।
- पौधों, जानवरों, कीड़ों और जलीय जीवन के बारे में समझना जो स्थानीय नदीयों के पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं।
- पानी की गुणवत्ता और नदीयों के प्रवाह में परिवर्तन से जीवजन्तुओं की विभिन्न प्रजातियों पर होने वाले प्रभावों पर चर्चा करना।
- स्थानीय जल का नमूना लेना और उनके प्रकारों और प्रदूषण के संभावित स्रोतों की पहचान करना।

सामग्री:

- बोर्ड
- पोस्टर पेपर
- बास्केट
- सेल फोन या कैमरा
- पारदर्षी कॉच के कंटेनर
- पानी के नमूने की किट।

9:00-9:15

खेल: एक गोल घेरा बनायें, प्रत्येक सहभागी अपना परिचय देता है और एक कोई क्रिया अपने दैनिक जीवन जुडी हुई करता हैं। फिर दूसरे वही क्रिया दौहराते हैं। सहभागियों से एक ऐसा कार्य करने के लिए कहें जिससे हमें उनकी आजीविकाओं को समझनें में मदद मिले। जैसे मछली पकड़ना, खेती करना, भोजन बनाना, उत्पाद बेचना आदि।

9:15-9:30

पूछें कि पहले दिन सामुदायिक जल संसाधन मानचित्र बनाने में किसने सबसे अधिक योगदान दिया है। यदि कोई हा कहता तब उसे नक्शे के पास आमंत्रित करें और उसकी प्रस्तुति देने के लिये कहे।

9:30-11:30

नदी की सैर गतिविधि

- हमने कल लोगों द्वारा सामुदायिक जल संसाधनों के उपयोग किए जाने वाले विभिन्न तरीकों के बारे में बात की। आज हम दूसरी प्रजातियों के बारे में बात करेंगे। समूह के साथ विचार–मंथन कर पूछे कि और कौनसे अन्य जीवजन्तु स्वस्थ जलमार्ग पर निर्भर हैं।
- सहभागियों को तीन समूहों में विभाजित करे, हर को समूह को एक श्रेणी चुनना है। जैसें पौधे, जानवर और कीड़े, और जलीय जीव।
- पौधों वाले समूह को टोकरियाँ दे, और निर्देष दे कि उन्हें नदी किनारे से पौधों को इकट्ठा करके लाना है जिसमे जंगली और उगाये जाने वाले फल और सब्जियां, रोजमर्रा मे उपयोग आने वाली औषधीय जड़ी बूटियॉ, पत्तियॉ और घास आदि षामिल है।
- यह सुनिश्चित करें कि जानवर और कीट समूह के पास सेल फोन या कैमरा हों, उन्हे निर्देष दे कि नदी किनारे और पानी में दिखाई देने वाले विभिन्न जानवरों, पक्षियों

और कीड़ों की तस्वीरें लेना है। और सुनिश्चित करें कि जीवजन्तुओ पर इस गतिविधि का कोई असर ना हो।

- जलीय जीवजन्तु वाले समूह को एक बारीक–जालीदार जाल दे, और उन्हें निर्देष दे कि उन्हे जाल को नदी के विभिन्न बिंदुओं पर अलग अलग गहराईयों मे पानी के नीचे करने के लिए बतायें। अब जाल को रेत मैदान या बडे पत्तों पर खाली करें। अब बिना किसी हानि के चिंराट, शंख, या कीडे और मछली की तस्वीरे लेने के बाद उनको नदी मे वापस छोड दे और जलीय पौधों के कुछ नमूने साथ ले।
- तीनों समूहों को नदी की ओर ले जाएं और देखें कि वे कैसे अपने सैम्पलों का संग्रह कर रहे हैं। एक बार संग्रह समाप्त होने के बाद, सहभागियों को तीन पारदर्षी गिलास दें। उन्हे कहे कि नदी की विभिन्न गहराईयों और जगहों से पानी के नमूने एकत्र करें।
- कक्षा में वापस आएं और सहभागियों के प्रत्येक समूह को बताये की एक बडे टेबल पर जो भी एकत्र किया है उसे फैला कर रखे। जिस समूह ने जीवित प्राणियों की तस्वीरें खींची, उन समूहों से प्रशिक्षक को तस्वीरे एकत्र कर भोजन अवकाष के दौरान उन्हें एक साधारण पावरपॉइंट के प्रारूप में जोडे है।

11:30-12:00 सहभागियों को सफाई करने और प्रशिक्षक से उनकी तस्वीरें साझा करने के लिए समय दें

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1:30-3:15 **पारिस्थितिक तंत्र पर समूह की प्रस्तुति**

- प्रत्येक समूह को प्रस्तुति के लिए कक्षा में वापस बुलाये। निम्नलिखित प्रश्नों की मदद से जानकारी लेः
- **पौधे वाला समूहः** कौन से पौधे समुदाय के लिए भोजन, दवाएं और घरेलू सामग्री के रूप में उपयोगी हैं? आमतौर पर उन्हें उगाने या इकट्ठा करने के लिए कौन जिम्मेदार होता है? पौधो का उपयोग करने के लिए कौन जिम्मेदार है, और उनको तैयार करने में किस तरह की जानकारी का उपयोग किया जाता है? क्या परिवार में ही उनका उपयोग किया जाता है या व्यावसायिक रूप से बेचा भी जाता है? किन पौधों को अधिक पानी चाहिए और कौनसे पौधे सूखे में भी जीवित रह सकते है? नदी में बदलाव से क्या इनमें से किसी भी पौधें की उपलब्धता प्रभावित हो रही है? समुदाय में सबसे अधिक कौन प्रभावित होता है और कैसे?
- **पशु, पक्षी और कीट समूहः** स्लाइड प्रस्तुति में आप किन प्रजातियों को देख पा रहे हैं? ये प्रजातियां स्वस्थ नदी पर कैसे निर्भर करती हैं? क्या वे साल में अलग–अलग समय पर अधिक दिखाई पडती हैं, या रात के दौरान या दिन में अधिक दिखाई देती है? क्या हाल के वर्षों में उनकी संख्या में कोई बदलाव आया है? ये परिवर्तन क्यों हुए हैं? अगर नदी सूख जाए या प्रदूषित हो जाए, यह इन प्राणियों को कैसे प्रभावित करेगा?
- **जलीय जीवन समूहः** हमारी नदी में कितने विभिन्न प्रकार के जीवजन्तु रहते हैं? इनमें से कौन से जीवजन्तु हमारे समुदाय में उपयोग किये जाते है और कैसे? मुख्य रूप से उन्हें पकड़ने के लिए और उसकी तैयारी लिए कौन जिम्मेदार है? और क्या वे परिवार मे ही उपयोग किए जाते हैं, या व्यावसायिक रूप से बेचे भी जाते हैं? अगर अब ये जीव उपलब्ध नहीं होते, तो यह खाद्य सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करता है?

3:15-3:30 **अवकाश**

3:30-4:30

पानी का नमूना

- तीनों समूहों द्वारा एकत्रित नदी के पानी के गिलास दिखाएँ। समूह से पूछें कि, पानी में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले जीव किस प्रकार के होते हैं? क्या आपको लगता है कि कोई पदार्थ नदी के पानी में मिले हुऐ हैं? ये पानी में कैसे मिल गए होंगे ? सहायक नदियों या पर्वत धाराओं से? व्यक्ति या उद्योग द्वारा फेके गये कचरे से ? वे क्या हो सकते हैं? (उदाहरण कचरा, मानव और पशुओं का अपशिष्ट, कृषि रसायन प्रवाह, अपस्ट्रीम कस्बों या उद्योगों द्धारा छोडा गया प्रदूषित कचरा, आदि शामिल हैं)। आगे कें प्रश्नः क्या कोई मानता है कि यह पानी पीने योग्य है? अगर नहीं, क्या पहले यह पीने योग्य था? यह कब बदल गया? क्या हम इस पानी में सुरक्षित रूप से तैर सकते है, और इसे धोने के काम मे उपयोग कर सकते हैं? क्या इस पानी के कारण मानव या पशुओं को बीमारियाँ हुई? वर्ष के किस समय यह अधिक प्रदूषित रहती है? अब क्या होगा अगर हमारे पास साफ पानी के स्रोत नहीं बचेगे?
- यदि संभव हो तो किसी स्थानीय विज्ञान के शिक्षक की सहायता लेंकर समूह के साथ कुछ जल गुणवत्ता परीक्षण करे। जैसें रंग के पैरामीटर, गंध, स्वाद, गंदलापन– कुल निलंबित ठोस (टीएसएस), कुल भंग ठोस (टीडीएस), अम्ल/क्षारीय (पीएच), विद्युत चालकता (ईसी) और पैथोलॉजिकल (मुख्य रूप से कोलीफॉर्म बैक्टीरिया) के लिए एक सरल ई–कोलाई परीक्षण। क्या पानी में किसी भी दिखने वाले रंग की घटबढ दिखाई देती है जैसे तेज गंध, बहुत अधिक टीडीएस, या असामान्य पीएच या ईसी। यह स्वास्थ्य और मछली फसल को गंभीर नुकसान पहुचा सकता है, और एक मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में परीक्षण की आवष्यकता है।
- सहभागियों से पूछें कि कौन से कार्यालय या व्यक्ति स्थानीय जल गुणवत्ता की निगरानी और समस्या रिपोर्ट करने के लिए जिम्मेदार है, क्या वे जानते हैं या नही। क्या आप जानते हैं कि उनसे कैसे संपर्क किया जाए? क्या किसी को भी पानी की गुणवत्ता में समस्या की रिपोर्ट करने का अनुभव था? यदि ऐसा है तो क्या हुआ? क्या कोई आगे की कार्यवाही हुई?
- मनुष्य और प्रजातियों दोनों की एक विस्तृत विविधता को नदी के महत्व पर बल देते हुए गतिविधि का सामापन करे। इसके स्थानीय आजीविका, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय अर्थव्यवस्था, और सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मूल्य के महत्व पर ध्यान दें। प्रतिभागियों को बताएं कि आने वाले दिनों में हम हमारे जल संसाधनों पर निर्णय कैसे किए जाते हैं उस पर चर्चा करेंगे। और समुदाय और जीवजन्तु जो एक स्वस्थ नदी पर निर्भर हैं, के हित मे सभी निर्णय हो यह सुनिश्चित करने के लिए हम कैसे काम कर सकते हैं।

गृहकार्यः
प्रतिभागियों से उनके शाम के भोजन या अगले दिन के नाश्ते की तस्वीरें खींचने के लिए कहें। इन तस्वीरो से पता चलता है कि उनके भोजन का कौन सा हिस्सा नदी पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित था।

मॉड्यूल 3

हमारे नदीयों के पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन और ऊर्जा के स्रोत

उद्देश्य:

- स्थानीय नदीयों के पारिस्थितिक तंत्र में ऐतिहासिक परिवर्तनों को समझना
- उन परिवर्तनों के कारणों की पहचान करना।
- यह समझना कि उन परिवर्तनों ने सामुदायिक जल संसाधनों तक पहुंच को कैसे प्रभावित किया है।
- जल संसाधन प्रशासन के संबंध में ऊर्जा के स्रोतों का परिचय देना।

सामग्री:

- बोर्ड
- रंगीन मार्कर
- पोस्टर पेपर
- क्रेयॉन

9:00-9:15

पिछले दिन के अभ्यास की समीक्षा करें। एक गमछें में दस या अधिक ढीली गांठें बांधें। सहभागियों को एक गोल घेरे में खड़े होने के लिए आमंत्रित करें, और कुछ जीवंत संगीत चलाये। उस गमछें को गोल घेरे मे एक दुसरे को देते हुऐ आगे बढाये। जैसे ही प्रत्येक सहभागी को दुपट्टा मिलता है, उसे एक गाँठ खोलनी होगी और फिर उसे आगे बढ़ाना होगा। हर बार संगीत को मिनट या दो मिनट के लिए बंद करे, जब संगीत बंद हो लेकिन जो अभी भी दुपट्टा खोलते हुए पकड़ा जाए है उसे किसी पिछले दिन के पाठ से सीखी किसी एक बात को याद कर समूह साथ साझा करना है।

9:15-9:30

सहभागियों को पिछली रात या सुबह के भोजन की तस्वीरें या चित्र दिखाने के लिए आमंत्रित करें। प्रत्येक से यह साझा करने के लिए कहें कि उन्हें क्या लगता हैं उन्होंने जो भोजन किया वह एक स्वस्थ नदी पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित था। क्या होगा यदि अब नदीयॉ और स्वस्थ नहीं रहेगी?

9:30-10:30

हमारे जीवनकाल के परिवर्तन

- सहभागियों को नदी के बारे में आपनी ताजा यादों पर सोचने के लिए कहें। सहभागियों को दो दो की जोड़ियॉ बनाने के लिऐ कहे। और फिर अपने साथी के साथ हमने जो पिछले दिन गहन सुनने की प्रणाली को सीखा था उनका इस्तेमाल करते हुऐ उन्हें अपनी यादों को पांच मिनट के लिए साझा करने हेतु कहें।
- प्रत्येक सहभागी को कागज की एक बड़ी शीट दें और फिर अपने समुदाय और स्थानीय नदी का चित्र स्वयं बनाने के लिए कहें।

- प्रत्येक प्रतिभागी से कहे कि काग़ज़ के उपरी आधे हिस्से पर अपने समुदाय और उनकी नदी पूर्व मे कैसी दिखाई देती थी उसका चित्र बनाये।
- फिर प्रत्येक प्रतिभागी से कहे कि कागज़ के नीचले आधे हिस्से पर उन्होंने अपने समुदाय और नदी में जो बदलाव देखे है उसका चित्र बनाये। क्या वे अभी भी वैसे ही हैं? यदि नहीं, तो क्या परिर्वतन आये है?

10:30-10:45 **अवकाश**

10:45-12:00 **प्रस्तुतियाँ**

- चित्र बनाने के बाद, सभी को वापस बड़े समूह में आमंत्रित करें और प्रत्येक सहभागी को अपने समुदाय और नदी के चित्र की प्रस्तुती और समझाने के लिए कहें। बताये कि अपके दृष्टिकोण में इसमें कैसे परिर्वतन आया है। प्रत्येक सहभागी को प्रस्तुत करने के लिए लगभग 5 मिनट का समय दें।
- प्रत्येक सहभागी की प्रस्तुति के बाद अन्य सहभागियों को प्रश्न पूछने और उनकी टिप्पणी साझा करने के लिए कहें। प्रशिक्षक चर्चा को सक्रिय करने हेतु विशिष्ट परिर्वतनों के बारे मे पूछ सकता है जैसें प्रत्येक सहभागी ने अपने जीवनकाल में कौने से परिर्वतन देखे है। चाहे वे परिर्वतन अच्छे हों या बुरे। और इन परिर्वतनों ने नदी पर निर्भर लोगों को कैसे प्रभावित किया है। क्या कुछ समूह अन्य की तुलना में सीधे तौर पर अधिक प्रभावित हुऐ हैं जैसे महिलाएं, मछुआरे, नदी के किनारे पर फूल उगाने वाला माली?
- जैसे ही सहभागी अपनी प्रस्तुति देकर वापस जाता हैं, प्रशिक्षक समुदाय और नदी पारिस्थितिकी तंत्र में परिर्वतनों के कारणो से संबंधित मुख्य शब्दों को बोर्ड पर लिखें। जिसमें जनसंख्या वृद्धि, बड़ी अवसंरचना परियोजनाएं जैसे सड़कें, पुल और बांध, खनन और अन्य उद्योग, वाणिज्यिक गतिविधियाँ, जलवायु परिवर्तन, एकल–फसल वृक्षारोपण की वृद्धि, कृषि रसायनों आदि के उपयोग में वृद्धि षामिल है।
- सहभागीयों के चित्र कमरे के चारों ओर चिपकाऐं और सत्र का सार बताते हुऐ समझाये कि आने वाले दिनों में हम इस बारे में बात करेंगे कि किसने किये है ये परिर्वतन, किसे फायदा हो रहा है और कौन इन परिर्वतनों से पीड़ित है। और हम अपने जल संसाधनों को प्रभावित करने वाले निर्णयों में कैसे भाग ले सकते हैं।

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1:30-2:30 **शक्ति के स्रोत**

सहभागियों को अपने समाज में षक्ति के स्रोतों पर विचार विमर्ष करने हेतु आमंत्रित करें। कौने से लोग है जिनके पास सबसे अधिक शक्ति हैं और उनकी क्या विशेषताएं हैं? धन, शिक्षा, राजनीतिक स्थिति, धर्म, जाती, लिंग, आयु, परिवार, ज्ञान, सम्मान, आदि। बोर्ड पर सहभागियों के उत्तर लिखें और सुनिश्चित करें कि उन्हें अगले सत्र के लिए रखना है।

- सहभागियों को कक्षा से बाहर लाये और आमने सामने की ओर मुख करके दो पंक्तियाँ बनाने के लिए कहें। एक तरफ की पंक्ति के सहभागियों को नीचे बैठने के लिए कहे, जबकि उनका साथी सामने वाली पंक्ति मे खड़े रहेगें। प्रत्येक जोड़ी को दस सेकंड के लिए एक दूसरे की आंखों में चुपचाप देखना है। उसके बाद, उन्हें पंक्ति बदलने और वही व्यायाम दोहराने के लिए कहें।
- सहभागियों को एक गोल घेरे में इकट्ठा करें और उनसे पूछें कि व्यायाम कैसा लगा। क्या यह अजीब या असहज था ? क्या आप खड़े होने की स्थिति में अधिक असहज थे या बैठने की स्थिति में? और क्यों?
- दूसरे खेल के लिए सहभागियों को दो दो की जोड़ियॉ बनाने के लिए कहें। एक व्यक्ति को अपना हाथ अपने साथी के चेहरे से कुछ इंच की दूरी पर रखना है। जैसे ही वह अपने हाथ को लेकर घुमता है उसके साथी को उसका पीछा करना है। सहभागियों को अपने साझेदार का नेतृत्व करने के लिए समय दें। उन्हें चारों ओर सभी उपलब्ध

स्थान का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करे। अब साइड बदल कर इस अभ्यास को दुसरे साथी को दोहराना है और पहले साथी को पीछा करना है।

- खेल खेलने के बाद निम्नलिखित प्रश्न पूछते हुये सभी सहभागी को गतिविधि पर अपनी भावनाऐं व्यक्त करने के लिये कहें।
  - क्या यह खेल आपके लिए मजेदार था? क्या इसने आपको असहज कर दिया?
  - क्या आप अग्रणी या पीछें रहना पसंद करते हैं?
  - क्या आपके साझेदार ने कभी आपका पीछा करना बंद कर दिया या मना कर दिया?
  - यह अभ्यास शक्ति का प्रतिनिधित्व कैसे करता है?

यह पारिवारिक और सामुदायिक जीवन में हमारे संबंधों और हमें प्रभावित करने वाले मामलों पर निर्णय लेने की हमारी क्षमता को कैसे दर्शाता है ?

चर्चा के बाद बताये कि आने वाले सत्रों में हम शक्ति संबंधों पर बात करेंगे। हमारे प्राकृतिक संसाधन विशेष रूप से हमारी नदियों और पानी पर कितने महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं। और हम कैसे अधिक शक्ति और विश्वास प्राप्त करे ताकि ये निर्णय हमारे समुदाय के लिए सकारात्मक परिणामों की दिषा में सुनिश्चित करे।

2:30-3:30

- कक्षा में वापस आएं और निम्नलिखित तीन प्रकार की शक्तियों पर चर्चा करें:
  - पावर ओवर (जब कोई व्यक्ति या समूह अपनी शक्ति के स्रोतों का उपयोग नियंत्रण करने मे करता है, अन्य किसी व्यक्ति या और समूह के लिए निर्णय लेता है – ध्यान लक्ष्य पर होता है)।
  - साझी शक्ति (जब कोई व्यक्ति या समूह अपनी शक्ति के स्रोतों का उपयोग एक दूसरे का समर्थन करने, संसाधनों को साझा करने और एक साथ निर्णय लेने के लिए करता है – प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया जाता है)।
  - आंतरिक शक्ति (किसी व्यक्ति या समूह के पास शक्ति के आंतरिक स्रोत हैं या अहिंसक कार्रवाई के माध्यम से उन्हें डर पर काबू पाने और सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करने के लिए से विकसित कर सकता है)।
- "पावर ओवर" को लाल रंग में, "साझी शक्ति" को काले रंग में, और "आंतरिक शक्ति" को नीले रंग में रेखांकित करें।
- सहभागियों को लाल, काले और नीले रंग के मार्कर दें, और उन्हें उस बोर्ड के नजदीक जाने के लिए कहे जहां पिछले व्यायाम से "शक्ति के स्रोत" शब्द लिखे हैं। सहभागियों से उन शब्दों पर लाल मार्कर से गोला बनाने के लिए कहे जो उन्हें लगता है लाल रंग में "पावर ओवर" के साथ जुड़ा हुआ है। वैसे ही जो उन्हे लगता है कि ये शब्द काले रंग में साझी शक्ति संबंधित हैं काले मार्कर से गोला बनाये और उसी प्रकिगयॉ को दौराहे आंतरिक शक्ति नीले रंग से सबंधित है।
- ध्यान दें कि कई शब्द तीनों प्रकार की शक्ति से जुड़े हो सकते हैं। उदाहरण के लिए शिक्षा का उपयोग अक्सर ऊपर से नीचे की शक्ति हासिल करने के लिए किया जाता है। लेकिन क्या ऐसे ही आसानी से दूसरों के साथ षक्ति साझा करने हेतु इसे इस्तेमाल कर सकते है। और यह आंतरिक शक्ति और आत्मविष्वास का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हो सकता है
- सहभागियों से अपने अनुभव साझा करने हेतु कहे कि उन्होंने प्रत्येक शब्द के लिए किस रंग को चुना और क्यो?। सहभागियों से पूछें कि शक्ति अच्छी है या बुरी, उन्हें क्या लगता है, चर्चा करें कि हम कैसे अपनी शक्ति का उपयोग के तरीके चुने और किस उद्देश्य के लिए?।

3:30-3:45 **अवकाश**

3:45-4:30

सहभागियों को 3 से 4 समूहों में बाटें। प्रत्येक सहभागी को अपने अनुभव साझा करने के लिए कहें, जब किसी ने उन पर षक्ति या सत्ता का इस्तेमाल किया। उस स्थिति से निपटने के लिए कौनसे आंतरिक या साझा शक्ति के स्रोत उन्होंने उपयोग किये? प्रत्येक सहभागी को साझा करने के लिए 5 मिनट का समय दे। और गहनता से सुनने की प्रणाली

के उपयोग करने के महत्व पर जोर दें। बड़े समूह में वापस लौटें, और अपनी स्वेच्छा से सहभागीयों को अपने अनुभव साझा करने के लिए कहे।

अपनी दैनिक गतिविधियों के लिए महिलाऐं जल संसाधनों पर बहुत अधिक निर्भर रहती हैं जैसें पीने का पानी लाना, नहाने और घरेलू उपयोग के लिए पानी, कपड़े धोने हेतु पानी, फसलों और बागानों मे पानी देना, नदी से और नदी किनारे खाद्य पौधें एकत्र करना, मछलियों और जानवरों के लिए घास तैयार करना। कई जगहों पर धार्मिक कार्यो हेतु भी महिलाओं द्वारा पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

जल संसाधनों के साथ महिलाओं का घनिष्ठ संबंध होने के बावजूद जल संसाधन प्रशासन में आमतौर पर पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है। नतीजतन, महिलाओं के दृष्टिकोण को अक्सर अनदेखा या कम दर्षाया जाता है। उनकी जरूरते पूरी नही होती और उनकी चिंताएं भी संबोधित नहीं की जाती।

सामुदायिक जल प्रशासन में लैंगिक समानता और समान प्रतिनिधित्व की दिशा में काम शुरू करने के लिए हम महिलाओं और पुरुषों की सामान्य सांस्कृतिक धारणाओं पर चर्चा करेंगे। हम सीखेंगे कि जहाँ जैविक भिन्नताएँ स्थिर हैं, सांस्कृतिक धारणाएँ बदल सकती हैं। जल संसाधनों पर नियंत्रण और पहुंच में समानता को बढ़ावा देने के लिए पुरुष एवं महिला एक

मॉड्यूल 4

जल संसाधनों के प्रशासन में सत्ता और लिंग की दशा

सीखने के उद्देश्यः

- लिंग और यौन के बीच अंतर को समझना
- लैंगिक समानता के महत्व के बारे में जागरूकता विकसित करना
- जल संसाधनों पर नियंत्रण और पहुंच में लिंग आधारित अंतर को समझना
- हभागियों के बीच एकजुटता को बढ़ावा देना

सामग्रीः

- बोर्ड
- पोस्टर पेपर
- मार्कर
- कंप्यूटर
- प्रोजेक्टर

साथ कैसे काम कर सकते हैं।

9:00-9:15

ऊर्जावान गतिविधी

सभी को एक गोल घेरे मे आने के लिए कहें। प्रशिक्षक अपनी बाईं ओर के प्रतिभागी की तरफ मुडकर ताली बजाता है, उस सहभागी को अपनी बाई ओर मुड़कर उसी समय वापस ताली बजाने के निर्देश देता है। फिर वह सहभागी तुरंत ही अपनी बाई ओर के व्यक्ति तरफ मुड़ कर ताली बजाता है। और वे दोनों एक ही समय में ताली बजाते हैं। सहभागियों को और तेजी से ताली बजाने के लिए प्रोत्साहित करे। यही अभ्यास करते रहे। एक बार ताली जब वापस प्रशिक्षक के पास पहुँचती है तो ताली की दिशा बदल कर सबको चौंकाऐं। इस बार ताली दाईं ओर बजानी है। इस बदलने वाले क्रम बार बार दौराहें और तेजी से ताली आगे बढाये बार–बार बदलते रहें जब तक यह खेल टूटे नही।

9:15-10:45

हमारे समुदाय में निर्णय लेने की शक्ति

- सहभागियों को बताये कि अब अपने समाज में दिखाई देने वाले कुछ शक्ति के स्रोतों की समीक्षा करते हुऐ पिछले सत्र पर विचार करे। बोर्ड पर चार्ट बनाकर दो कॉलम बनाये। पहले कॉलम के ऊपर, "अधिक पावर" लिखें और दूसरे कॉलम के ऊपर, "कम पावर" लिखें।
- सहभागियों से यह कल्पना करने के लिए कहें कि समुदाय में एक बड़ी विकास परियोजना आ रही है जो समुदाय की नदी तक पहुँच के वर्तमान तरीको बदल सकती है। परंपरागत रूप से ऐसी परियोजना के निर्णय लेने में भागीदार बनने हेतु अधिक शक्ति किसके पास है? जैसे ही प्रतिभागी उत्तर बतातें हैं, उन्हें "अधिक शक्ति"

कॉलम में लिखें। इनमें शामिल हो सकते हैं पुरुष, बुजुर्ग, समुदाय का नेता, धार्मिक नेता, स्थानीय राजनेता, संसद सदस्य, विश्वविद्यालय की डिग्री वाले लोग, जो लोग धाराप्रवाह अंग्रेजी या राष्ट्रीय भाषा बोलते हैं, जातीय सदस्य या धार्मिक बहुमत वाले समुदाय आदि।

- इसके बाद, सहभागियों से पूछें कि परंपरागत रूप से निर्णय लेने में भागीदार होने के लिए किन समूहों के पास सबसे कम ताकत होती हैं। जैसे ही सहभागी उत्तर बताते हैं, उन्हें "कम शक्ति" वाले कॉलम में लिखें। इनमें महिलाएं, युवा, किसान, मछुआरे, मूल निवासी लोग, कम पढे लिखे लोग, जातीय और धार्मिक रूप से अल्पसंख्यक और विकलांग लोग आदि। यदि सहभागी चर्चा मे अटक रहे हैं तो प्रशिक्षक चर्चा को आगे बढाने हेतु कुछ प्रष्न पूछ सकतें है। जैसे हमारे समाज में आमतौर पर "मछुआरा समुदाय" को कम पावर है या ज्यादा?"

इस तथ्य पर चर्चा करते हुऐं गतिविधि का सामापन करें कि हमारे जल संसाधनों पर निर्णय लेने वाले अक्सर वे लोग है जिनका उन संसाधनों के साथ दैनिक सबंध सबसे कम होता है। उदाहरण के लिए एक माँ प्रतिदिन नदी से ताजे पेयजल का संग्रह करती है लेकिन एक जल प्रवाह परिर्वतन परियोजना के डिजाइन के संबंध में आमतौर पर क्या उनसे परामर्श लिया जाता है? क्या एक मछुआरे से आमतौर पर सलाह ली जाती है कि बांध कहाँ बनाया जाना चाहिए?

आने वाले दिनो में हम मुख्य प्रश्न को संबोधित करेंगेः जिनकी आजीविका सबसे घनिष्ठ रूप से जल संसाधनों जुडी हैं अगर उन्हें निर्णय लेने की शक्ति में समान हिस्सा मिला होता है तो जल प्रषासन कैसे दिखाई दे रहा होता?

10:45-11:00 **अवकाश**

11:00-12:00 **जेंडर क्लॉक खेल**

- टेबल और कुर्सिया कमरे से हटा दे और सहभागियों को दो समूह मे विभाजित करें। एक समूह पुरुष और एक समूह महिला। कमरे में एक तरफ महिलाओं को बैठने के लिए और आदमीयों को दूसरी तरफ खड़े होने के लिए कहें।
- प्रशिक्षक सुबह 3:00 बजे से घंटे दर घंटे कॉल करता है और पुरुषों के समूह से बिना किसी आवाज़ के यह दिखाने के लिए कहे है कि वे आम तौर पर क्या करते हैं। पुरुषों को हर घंटे उनकी गतिविधियों पर कार्य करने के लिए कहते हुए समय–समय पर कॉल करें। उन्हें आजीविका से जुडी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए और वे स्थानीय जल संसाधनों का उपयोग कैसे करते हैं दर्षानें लिए कहें।
- ब आप पुरुषों के साथ 24 घंटे की अवधि पूरी कर लें, तो पुरुषों को बैठनें के लिए और महिलाओं को खड़े होने के लिए कहें। घंटे के हिसाब से समय समय पर कॉल करें और महिलाओं को अपनी दैनिक गतिविधियों को दर्षाने के लिए कहें।
- एक बार दोनों समूह का अभ्यास समाप्त हो जाने के बाद सभी को बैठने और उनकी प्रतिक्रियाऐं साझा करने के लिए कहें। आपने पुरुषों की गतिविधियों और महिलाओं की गतिविधियों के बीच क्या अंतर देखा? क्या कुछ ऐसा था जिसने आपको हैरान कर दिया ? क्या पुरुष और महिलाएं स्थानीय जल संसाधनों का अलग–अलग उपयोग कर रहे थें हैं? क्या आपको लगता है कि स्थानीय जल संसाधनों मे परिवर्तन पुरुषों और महिलाएं को अलग अलग प्रभावित करते है? वह कैसे?

12:00-1:30 **अवकाश**

1:30-2:00

"यौन" और "लिंग" की समझ

बोर्ड पर "यौन" और "लिंग" शब्द लिखें। यदि इन शब्दों को प्रशिक्षण की भाषा में अनुवाद करना कठिन होगा तो प्रशिक्षक दुसरे शब्दों बात कर सकता है, "पुरुषों और महिलाओं के भौतिक पहलू," महिला और "पुरुषों के बारे मे सांस्कृतिक विचार"। यह सुनिश्चित करे कि सहभागी इन दो शब्दों के बीच के अंतर को समझे। आगे समझायें हैं कि "यौन" पुरुष और महिला होने के जैविक पहलुओं को संदर्भित करता है जबकि "लिंग" पुरुष और महिला के व्यवहार, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक विशेषताऐं संदर्भित करता है। निम्नलिखित वाक्य का उच्चारण करें और सहभागियों से पूछें कि क्या वे "यौन" या "लिंग" से संबंधित हैं।

1. महिलाएं गर्भवती हो सकती हैं (यौंन)।
2. बेटियों को जमीन विरासत में नहीं मिल सकती (लिंग)।
3. पुरुष परिवार का मुखिया है (लिंग)।
4. पुरुषों के बच्चे नहीं हो सकते (यौंन)।
5. महिलाएं अनिर्णायक होती हैं (लिंग)।
6. स्त्री का स्थान घर में होता है (लिंग)।

प्रशिक्षक स्थानीय सांस्कृतिक मान्यताओं के आधार पर और वाक्यों को बना सकते है। जानकारी दे कि पुरुष और महिला के बीच शारीरिक और जैविक अंतर के विपरीत लिंग के इर्द–गिर्द सामाजिक और सांस्कृतिक धारणाओं का निर्माण प्रत्येक समाज द्वारा किया जाता है और समय के साथ ये बदलते भी रहते हैं।

2:00-3:30

सत्ता और लिंग

- समूह को पुरुष और महिला समूह में विभाजित करें। यदि समूह में सभी एक लिंग से है तो सहभागियों को छोटें की समूह में विभाजित करें। प्रत्येक समूह को अपने जीवन की ऐसी घटनाऐं याद करने के लिऐ कहे जब उनको लिंग के आधार पर उनके साथ किसी तरह का व्यवहार किया गया। उदाहरण तौर पर यदि आपसे कभी कहा गया कि लड़के रोते नहीं हैं, या लड़कियों के लिए कुछ करना सुरक्षित नहीं है। आपकी संस्कृति में पुरुष और महिला के बारे में दृष्टिकोण, छवि, भूमिकाएँ, धारणाऐं, अपेक्षाएँ क्या हैं? कैसे एक युवा महिला को अपने बारे में महसूस कराता है कि वह इन संदेषों के साथ इस माहौल में बड़ी हो रही है? यह एक युवक को अपने बारे में कैसा महसूस कराता है कि वह बड़ा हो रहा है? बड़े समूहों को चर्चा के लिए 30 मिनट का समय दें, और छोटें समूहों को 5 मिनट का।
- सहभागियों को वापस बड़े समूह में बुलाएं और उन्हें उनकी चर्चा के कुछ प्रमुख बिंदु साझा करने के लिए कहें।

प्रशिक्षक एक चर्चा शुरू करते हुऐ पूछता है कि लिंग और सत्ता कैसे संबंधित हैं? उल्लेख करें कि जब हम लिंग के बारे में सोचते हैं, तो हम महिलाओं के बारे में सोचते हैं। लेकिन हम देख सकते हैं कि लिंग के आसपास की धारणाऐं पुरुषों के साथ–साथ महिलाओं को भी प्रभावित करती हैं। लिंग के इर्द–गिर्द सांस्कृतिक धारणाओं का समावेष दर्द, संघर्ष, भेदभाव और अन्याय पैदा करता है। हमें लगता है कि यह स्वाभाविक है, लेकिन ऐसा नहीं है। हम एक साथ किस तरह का समाज बनाना चाहते हैं? कार्यशाला के पहले दिन मैप किए गए साझा मूल्यों पर वापस नजर डालें। हम अपने समाज में क्या बदलाव कर सकते हैं जो हमारे साझा मूल्यों को बेहतर ढंग से दर्षाये? सत्ता के बजाय साझा शक्ति पर आधारित संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हम एक साथ कैसे काम कर सकते हैं? सहभागियों से समूह के साथ अपने विचार साझा करने के लिए कहें।

3:30-3:45

अवकाश

3:45-3:50 **ऊर्जावान गतिविधी : एक स्वेच्छिक सहभागी से समूह के साथ कोई ऊर्जावान खेल या गीत साझा करने के लिए कहें।**

3:50-4.30 **एकजुटता निर्माण**

- सभी को एक साथी खोजने के लिए कहें– पुरुषों के साथ पुरुष और महिलाओं के साथ महिला की जोडी बनाने के लिये कहे। पिछली चर्चा का जिक्र करते हुए प्रत्येक जोड़ी को उनके विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करें। अपने समाज में वे व्यक्तिगत स्तर पर साझा शक्ति और लैंगिक समानता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए क्या कर सकते हैं।
- पुरुषों से चर्चा करने के लिए कहें कि वे साझा सत्ता को बेहतर करने के लिए क्या कर सकते हैं और यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को पर्यावरण और समुदाय के भविष्य के बारे में निर्णय लेने की प्रक्रिया में बराबरी से सहभाग लेने का अवसर मिले।
- महिलाओं से चर्चा करने के लिए कहें कि उन्हें स्वंय को अधिक अवसर पाने के लिए क्या करना चाहिए, और समुदाय में युवा महिलाओं के लिए अपनी शक्ति साझा करके कैसे वे और अधिक अवसर बना सकती है। और उन महिलाओं के लिए भी जिन्हे परंपरागत रूप से निर्णय लेने की प्रक्रियाए में भाग लेने के कम अवसर मिलते हैं।
- प्रत्येक जोडी को कुल दस मिनट और प्रत्येक सहभागी को साझा करने हेतु पांच मिनट का समय दें।
- जब चर्चा समाप्त हो जाये तो सहभागियों को एक गोल घेरे मे खड़े होने के लिये कहे। सहभागियों को बताये कि लैंगिक समानता को उनके समुदाय में बढ़ावा देने हेतु पहले कदम के रूप में वे एक संकल्प के बारे में सोच सकते हैं। एक सहभागी को गेंद टॉस करने के लिए दे और उसे साझा करने के लिए कहें। फिर गेंद को अगले सहभागी को टॉस करने के लिए दे तब तक टॉस करें जब तक कि सभी के पास साझा करने का अवसर न आ जाये।

गृहकार्यः

यदि संभव हो तो, लिंगभेद पर पारंपरिक माओरी समुदाय के बारे में फिल्म "व्हेल राइडर" को दिखाएं। फिल्म बहुत अच्छी है दिखाया गया है कि लिंग के आसपास सांस्कृतिक धारणाऐं पुरुषों के साथ–साथ महिलाओं के लिए कैसे हानिकारक हो सकती है। और कैसे समुदाय एक साथ सकारात्मक सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए लैंगिक न्याय की ओर प्रगति कर सकते हैं। प्रशिक्षक सहभागियों के सांस्कृतिक संदर्भ की विशिष्ट वैकल्पिक फिल्मों का भी चयन कर सकते हैं। प्रत्येक सहभागी को एक वस्तु या किसी विशेष वस्तु की तस्वीर लाने के लिए कहें जो उनके समुदाय का प्रतिनिधित्व करती है।

मॉड्यूल 5

सामुदायिक संसाधनों का मानचित्रण

उद्देश्यः

- समुदाय के पास मौजूद संसाधनों और शक्तियों को समझना।
- सहभागी संसाधन मानचित्रण और डेटा एकत्र करने की तकनीको के माध्यम से सहभागियों को सशक्त बनाना, अपने इलाकों का स्वंय मैप कर और उनके संसाधनों पर अधिकारों का दावा करे।
- नदियों और प्राकृतिक संसाधनों की जनवकालत पर काम करने वाले संगठनों को मानचित्रण और डेटा एकत्र करने के सहभागी उपकरणों और तकनीकों की सहायता प्रदान करना
- यह जानना कि प्रत्येक समुदाय की षक्ति से सुशासन और सहभागी विकास किस प्रकार निर्मित होता है।
- सहभागियों को यह सोचने के लिए प्रेरित करना कि उनके लिए विकास का क्या अर्थ है।
- स्थानीय जल संसाधन को प्रभावित करने वाले निर्णयों में जनभागीदारी के महत्व को समझना।

सामग्रीः

- बोर्ड
- मार्कर
- पोस्टर पेपर
- स्टिकी नोट्स
- ड्राइंग पेपर
- रंगीन पेंसिल
- चित्रों से पहले तैयार और बाद में।

9:00-9:15 वस्तुऐं साझा करें, बताएं कि वे क्या दर्शाते हैं और वे समुदाय के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं।

9:15-10:30 जल संसाधन प्रशासन के संबंध में विकास पर चर्चा करने से पहले एक समुदाय के पास पहले से ही मौजूद षक्तियों और संसाधनों को समझना महत्वपूर्ण है। समूह को समझाएं कि हमारे सभी समुदायों ने कई अलग–अलग संसाधनों का विकास किया है। लोग इन संसाधनों का उपयोग जीवित रहने और चुनौतियाँ का सामना करने के लिए करते हैं जैसे अप्रत्याशित मौसम, राजनीतिक परिवर्तन और सांस्कृतिक दबाव आदि। इन संसाधनों के मानचित्रण की प्रक्रिया उनकी सुरक्षा के लिए समुदाय को एक साथ लाना एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

- समुदाय का नाम बोर्ड पर लिखें और उसके चारों ओर एक घेरे में कागज के 7 बड़े टुकड़े चिपकाऐं। कागजों को लेबल करें (1) प्राकृतिक संसाधन, (2) मानव संसाधन, (3) वित्तीय संसाधन, (4) सामाजिक संसाधन, (5) बौद्धिक संसाधन, (6) भौतिक संसाधन, (7) आध्यात्मिक संसाधन। अगर सहभागियों को पढ़ने में कठिनाई होती है तो प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतीकों या चित्रों का उपयोग करें।

- प्रत्येक वर्ग के बारे में एक या दो उदाहरण देते हुए जानकारी दे ताकि सहभागी अपने स्वंय से अतिरिक्त विचार जोडं सकते हैं।
  - **प्राकृतिक संसाधनः** कृषि भूमि, फलों के पेड़, नदी किनारे बागॉन, वन, वर्षा, नदियाँ, झीलें, तालाब, खाद्य पौधे और औषधियाँ, मछलियाँ, पशु, प्राकृतिक निर्माण सामग्री और विभिन्न प्रकार के जंगल उत्पाद।
  - **मानव संसाधनः** बढ़ईगीरी, मछुआरे, किसान या खेती में कौशल रखने वाले, शिकार, विपणन उत्पाद, उपकरण और कपड़े बनाना, डॉक्टर, शिक्षक, ज्ञान–औपचारिक शिक्षा और स्थानीय ज्ञान सहित जैसे कि कौन से जंगली पौधे उपयोगी हैं और कैसे, कैसे तैयार करें और भोजन का भंडारण, औषधीय पौधों की पहचान और उपयोग कैसे करें, बुजुर्गों के साथ स्थानीय इतिहास और संस्कृति का ज्ञान
  - **वित्तीय संसाधनः** धन, प्रेषण (रिश्तेदारों से भेजा गया धन शहर या विदेश में काम करना), माल बेचने के लिए बाजारों तक पहुंच, छोटा व्यवसाय, पर्यटक आकर्षण, क्रेडिट और ऋण तक पहुंच, क्रेडिट यूनियनों, बैंकों, सरकारी सहायता
  - **सामाजिक संसाधनः** संस्कृति, परंपराएं, समारोह, छुट्टियां और त्योहार, मौसमी समा. रोहं, स्थानीय संगठनं, एकजुटता, दोस्ती, विस्तारित परिवार, कुल, महिला समूह, युवा समूह, स्थानीय सरकारी संस्थान
  - **बौद्धिक संसाधनः** भाषा, संगीत, संगीत वाद्ययंत्र, कविता, कहानियां, गीत, साहित्य, कला कार्य, वास्तुशिल्प डिजाइन, प्रदर्शन, नृत्य, बुनाई, लकड़ी की नक्काशी, आभूषण
  - **भौतिक संसाधनः** घर, अस्पताल, स्कूल, सड़कें, सिंचाई नहरें, बिजली के स्रोत, संचार उपकरण, पानी के पंप, वाहन, उपकरण, मशीनरी और उपकरण
  - **आध्यात्मिक संसाधनः** धार्मिक शिक्षक, भवन जैसे पूजा का स्थान, प्राकृतिक परिदृश्य में आध्यात्मिक क्षेत्र, धार्मिक अवकाश और समारोह, प्रार्थना, पूर्वजों, धार्मिक संगीत और लेखन
- सहभागियों को बोर्ड पर चिपकने वाले कागज के टुकडे दें। और उनके समुदायों में मौजूद संसाधनों की तस्वीरें बनाने या उन्हें लिखने के लिए कहे। फिर उसे प्रत्येक श्रेणी के तहत बोर्ड पर लगाने के लिए कहें। यदि सहभागी चाहते हैं तो चित्र या प्रतीकों का उपयोग भी कर सकते है।
- यदि सहभागी को सुझाव मे सहायता की जरूरत है, तो प्रशिक्षक ऊपर दी गई सूची में से एक या दो उदाहरणों का उल्लेख कर सकते है। और सहभागियों से पूछें कि उन उदाहरणों लिए सबसे अच्छी श्रेणी कौन सी होगी आपको क्या लगता है?

10:30-10:45 **अवकाश**

10:45-11:15 सहभागियों को चार समूहों में विभाजित करें और प्रत्येक समूह को एक प्रश्न पर चर्चा करने के लिए दे :

1. हमारा समुदाय किन संसाधनों से समृद्ध है?
2. हमारा समुदाय किन संसाधनों में गरीब है?
3. हमें अपने समुदाय को मजबूत बनाने के लिए किन अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है?
4. आप इनमें से किस संसाधन के बारे मे चिंतित हैं? कौन से संकट?

11:15-11:55 प्रत्येक समूह को बडें समूह में अपने विचार रखने हेतु वापस बुलाऐं।

11:55-12:00 इस बात पर बल देते हुए संक्षेप करें कि सभी समुदाय किसी न किसी चीज में समृद्ध हैं और कुछ अन्य चीजों में गरीब है। प्रत्येक समुदाय की ताकत पर सुशासन और भागीदारी विकास का निर्माण होता है और मौजूदा संसाधनों की रक्षा करते हुऐ सकारात्मक परिवर्तन लाता है।

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1:30-3:00 **विकास का क्या अर्थ है**

- सहभागियों को विराम दे और अपनी आँखें बंद कर आपनी कल्पनाओं का उपयोग हेतु तैयार रहने के लिए कहें। जब वे शांत हो जाये तो उनसे कहें:
  - "अपने समुदाय के बारे में सोचें – आपके गांव या कस्बे के सभी लोग आपका परिवार, आपके पड़ोसी। इस बारे में सोचें कि वे अपने दैनिक में क्या करते हैं? उनकी उम्मीदें और उनकी चिंताएं क्या हैं? अब अपने बारे में सोचो घर, अपनी जमीन, अपनी नदी और जल संसाधन, और उन सभी जगह के बारे जिसका उपयोग आपका समुदाय करता है और आनंद लेता है।
- "उनके सोचने के बाद, उन्हें अपनी आँखें बंद रखने के लिए कहें, और प्रश्नों पूछने के बीच उनको थोडा समय सोचने के लिए दे:
  - "ऐसी कुछ परियोजनाएँ कौन सी हैं जो आपके समुदाय के लोगों का जीवन बेहतर बनाने में मदद करेंगी? सभी को स्वस्थ, खुश और अधिक अवसर पाने के लिए कौनसी चीज़ें मदद करेंगी?"

  उनको सोचने का समय दें।
  - "परियोजनाओं के लिए कई अलग–अलग संभावनाएं हैं। हो सकता है आप बच्चों की शिक्षा, या वयस्कों के लिए नौकरी प्रशिक्षण या परिवारों के लिए बेहतर भोजन के बारे में सोच रहे हो। शायद आप एक नई सड़क या बाजार, बिजली या स्वच्छ पेयजल तक पहुंच के बारे में सोच रहे हैं। हो सकता है सिर्फ अपने समुदाय के लिए या पूरे देश के लिए कुछ सोच रहे हो।"
- सहभागी के थोंडा सोचने का समय हो जाने के बाद सहभागियों से कहें कि अब उन्हें अपने विचार साझा करने का मौका मिलेगा।
- सहभागियों को तीन से पांच लोगों के छोटे समूहों बनायें। प्रत्येक समूह को कागज की एक बड़ी शीट दे जिसको एक लाइन खीचकर दो भागों मे विभाजित किया गया हो। उनसे सामुदायिक विकास पर अपने विचारों के बारे में चर्चा करने के लिए कहें और फिर उन्हें कागज के शीर्ष आधे भाग पर बनायें। उन्हें इस पर चर्चा करने के लिए 15 मिनट से अधिक ना दे और यह सुनिश्चित करे कि सभी को बोलने और बनाने का मौका मिले।
- सहभागियों को बड़े समूह में एक साथ वापस बुंलाऐ और प्रत्येक व्यक्ति को अपना बनाया हुआ चित्र दिखाने के लिए कहें और विकास पर अपने दृष्टिकोण के बारे में बात करे।
  - सभी की प्रस्तुति के बाद उनसे यह सोचने के लिए कहें कि सरकार और कंपनियों द्वारा उनके क्षेत्र और उनके समुदाय में किस प्रकार की विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्हें इस पर सोचने के लिए कुछ समय दें।
  - बडें समूह को उन्हीं छोटे समूहों में फिर से विभाजित करें और उनसे कहे कि सरकार और कंपनियों द्वारा बढावा दिऐ जाने वाली विकास परियोजनाओ पर अपने विचार साझा करे और कागज़ के निचले आधे हिस्से का उपयोग उनसे सबंधित चित्र बनाने मे करे। यह सुनिश्चित करें कि उन्हें इसमें सभी परियोजनाऐ जिन्हें वे पसंद करते हैं और जिन्हे पसंद नही करते दोनों शामिल होने चाहिए।
  - सभी को अपने चित्रों को दीवार पर लगाने के लिए आमंत्रित करें। समूह को वापस एक साथ लाये और प्रत्येक व्यक्ति या समूह से कक्षा को उनके चित्र के बारे में बताने के लिए कहें।

- सभी की प्रस्तुति के बाद विकास के विभिन्न विचारों पर चर्चा करें। क्या ये सभी चित्र विकास का प्रतिनिधित्व करते हैं, या केवल कुछं? क्या यहां सहभागियों के विचार सरकार और कंपनियों द्वारा प्रस्तावित परियोजनाए से मिलते हैं या उनसे भिन्न हैं? क्या अंतर है? इन मतभेदों का क्या आधार है? एक समुदाय का विकास कैसे होना चाहिए? यह कहने का अधिकार किसके पास है।

3:00-3:15 **अवकाश**

3:30-4:30 **गतिविधि से पहले और बाद में**

- सहभागियों को "पहले" चित्र दिखाएं। सुबह की सामुदायिक संसाधन मानचित्रण गतिविधि का जिक्र करते हुए सहभागियों से पूछें, चित्रित समुदाय में वे किस प्रकार के संसाधन देखते हैं। किस प्रकार के आजीविका के साधन आपको दिखाई देते हैं? आपको क्या लगता है कि इस समुदाय में जीवन की गुणवत्ता कैसी है?
- फिर समूह को "बाद" की तस्वीर दिखाएँ और उनसे इसका वर्णन करने के लिए कहें। उन्हे क्या दिखाई दे रहा हैं। आपके विचार से वहा किस प्रकार की विकास परियोजना चल रही है?
- सहभागियों को महिला और पुरुष समूह में विभाजित करें। पूछे प्रत्येक समूह को क्या लगता है कि परियोजना का समुदाय की क्षमता पर संसाधनों तक पहुँच में किस तरह के प्रभाव हुऐ होगे। प्रत्येक महिला और पुरुष नदी के उपभोगकताओं के रूप में अपने–अपने दृष्टिकोण से सोचे हैं। समूह चर्चा के लिए 15 मिनट दे।
- दो समूहों को वापस रिपोर्ट करने के लिए कहें।

सत्र का समापन यह समझाते हुये करे कि "विकास" शब्द के कई अर्थ हैं। विकास के विचार को समझने के जितने तरीके हैं, उतने ही दुनिया में समुदायं। ये अलग–अलग समझ लोगों की अलग–अलग धारणाऐ, प्राथमिकताएं और उनके भविष्य के दृष्टिकोण से आती हैं। बड़ी पैमाने पर विकास परियोजनाएं प्राकतिक संसाधनों की बढती मांग से प्रेरित होती हैं। अक्सर ऐसी परियोजनाएं "और अधिक अच्छे" के नाम पर की जाती हैं। इन परियोजनाओं का मुख्य लक्ष्य "आर्थिक विकास" लाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि से सभी को फायदा होगा, खासकर गरीबों को। लेकिन ये परियोजनाऐं लोगों के जीवन और पर्यावरण में बड़े पैमाने पर परिवर्तन लाती है जिस पर लोग अपने घरों, स्वास्थ्य और आजीविका के लिए निर्भर हैं। अक्सर ये परियोजनाएं फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। आने वाले सत्रों में हमारे संसाधनों को प्रभावित करने वाले निर्णयों में हमारी भागीदारी के महत्व के बारे में और विकास परियोजनाओं द्वारा हमारे जल संसाधनों में किये गये परिवर्तन के बारे में चर्चा करेगें।[1]

1 इस दोपहर के सत्र के लिए गतिविधियाँ और चित्र अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही परियोजना (आईएपी) की सामुदायिक कार्रवाई गाइड से प्रेरित हैं, यहां उपलब्ध है।

मॉड्यूल 6

जल अवसंरचना परियोजनाओं के प्रभाव और लाभ

उद्देश्य:

- सामुदायिक जल संसाधनों पर अवसंरचना परियोजनाएं के संभावित प्रभाव और लाभ को जानना
- हितधारक विश्लेषण के बारे में जानना
- बुनियादी हितधारक मानचित्रण का अभ्यास करना
- स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति के सिद्धांतों का परिचय कराना
- जनवकालत का एक बुनियादी परिचय प्रदान करना
- जनवकालत संदेश तैयार करने का तरीका जानना
- जनवकालत संदेशों को स्पष्ट करने का अभ्यास करना

सामग्री:

- बोर्ड
- मार्कर
- पोस्टर पेपर
- कंप्यूटर
- प्रोजेक्टर

9:00-10:00

परिचय

इस सत्र में हम स्थानीय जल संसाधन को प्रभावित करने वाली अवसंरचना परियोजना पर ध्यान केंद्रित करेंगे। क्या सहभागियों अपने स्थानीय क्षेत्र की किसी परियोजना से परिचित है ? जैसे सिंचाई या जलविद्युत बांध या पानी का मोड़। प्रशिक्षक इस परियोजना को केस स्टडी के रूप में उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं जानते, तो प्रशिक्षक सहभागियों को एक कल्पना करने के लिए कहे कि नदी पर अपने समुदाय की कुछ दूरी पर नीचे की ओर एक बड़े पैमाने पर जलविद्युत परियोजना की योजना बनाई जा रही है। नीचे दिये गये लिकं या वीडियों दिखा कर सहभागियों को बांध परियोजनाओं के भौतिक पहलुओं से परिचित कराया जा सकता है।

- सहभागियों से पूछकर शुरू करें, "किस किस ने बांध देखा है?"
- वीडिओ चलाऐ यें सहभागियों के किसी भी प्रश्न का उत्तर दे सकतें है।

  https://www.youtube.com/watch?v=q8HmRLCgDAI

  https://www.youtube.com/watch?v=AAGvtpfB39U&feature=youtu.be,
- इस मजेदार वेबसाइट क्ंउमर्मिबजेण्वतह पर जाये सहभागियों कें साथ देखें। यह वीडियों दिखाता है कि एक बांध नदी को कैसे प्रभावित कर सकता है। ऐसी परिभाषाओं की व्याख्या करें जिसमें नदी का प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र शामिल है, जिसमें तटवर्ती क्षेत्र, मछली मार्ग, मनोरंजन, तलछट और मलबे का स्थानांतरण, और नदी का प्रवाह भी शामिल है। फिर खराब तरीके से चलाये जाने वाले बांधों के प्रभावों को दिखाऐं। प्रतिभागीयों से पूछें कि वे किन समस्याओं को नोटिस करते हैं और फिर

से सभी पारिस्थितिक तंत्र घटकों पर जाये हैं। यह ध्यान रखते हुए कि वे अपनी प्राकृतिक अवस्था से कैसे बदल गए हैं। इसके बाद एक बेहतर तरीके से चलने वाले बांध और उसके पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के अगों के प्रभावों पर जाये।

10:00-10:30 **मंथन गतिविधि**

संभावित लाभ	संभावित प्रभाव
• बिजली तक पहुंच • अधिक नौकरी के अवसर • अधिक उद्योग • अधिक वाणिज्य • बाजार तक पहुंच • राजस्व टैक्स • बेहतर जल आपूर्ति और स्वच्छता • नए स्कूल, क्लीनिक और घर • बेहतर सड़कें	• एक नए क्षेत्र में स्थानांतरण • टाजीविका खोना • मत्स्य पालन का नुकसान • पानी की खराब गुणवत्ता • नदी तट उद्यानों का नुकसान • कृषि भूमि का नुकसान • नदी परिवहन का नुकसान • संस्कृति और सामाजिक बंधनों का नुकसान

- प्रशिक्षक एक बांध का प्रतिक दर्षानें के लिए कागज की एक बडी शीट को मोड़ता है और उसे उस नदी के आर पार चिपकाऐं है जिसे सहभागियों ने कार्यशाला के पहले दिन बनाया था। सहभागियों से यह कल्पना करने के लिए कहें कि उन्हें अभी–अभी खबर मिली है कि एक बांध उनकी नदी पर बनाया जाएगा। बता दें कि बांध के ऊपर की ओर एक बड़ा जलाशय बनेगा, समुदाय को उस तरफ से विस्थापित करने की जरूरत है और नीचे की ओर प्रवाह काफी कम हो जाएगा।
- सहभागियों को दो समूहों में विभाजित करें: बांध के ऊपर की ओर (अपस्ट्रीम) और नीचे की ओर (डाउनस्ट्रीम)। प्रत्येक समूह को बतायें कि समुदाय पर बांध के ऊपर की ओर और नीचे की ओर सीधे संभावित प्रभाव और लाभ दोनों पर विचार–मंथन करे। प्रत्येक समूह को चर्चा के लिए 20 मिनट का समय दें।

10:45-11:15 **समूह प्रस्तुतियाँ**

- प्रत्येक समूह को अपने विचार कक्षा में साझा करने के लिए 10 मिनट का समय दें। यदि वे चाहें तो अपनी प्रस्तुति में चित्रों की सहायता ले सकते है।
- जैसे ही अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम समूह अपनी प्रस्तुति देते है, प्रशिक्षक पोस्टर पेपर पर संभावित लाभ और प्रभाव पर नोट्स ले है। उदाहरण तौर पर:
- उपर दी गई सूची में प्रत्येक लाभ आइटम को पढ़ें और पूछें कि यह लाभ किसे प्राप्त होगा? पेपर पर उत्तर नोट करें।
- प्रभावों की सूची पढ़ें और सहभागियों से पूछें कि प्रत्येक प्रभाव से सबसे अधिक कौन पीड़ित होंगा। कागज पर उत्तर नोट करें।

11:15-12:00 **सैर करते हुऐ चर्चा**

- एक समूह चर्चा करें। प्रत्येक व्यक्ति इस बांध परियोजना से लाभ और प्रभाव का संतुलन कैसे देखता है। समूह से पूछें कि क्या प्रभाव को कम करने और लाभ बढ़ानें हेतु कुछ सुनिश्चित किया जा सकता है? क्या परियोजना प्रभावित समुदायों को और अधिक वास्तविक लाभ दे सकती है? या हमें परियोजना को पूरी तरह से रोकने के लिए जुटना चाहिए ?
- कमरे के विपरीत छोर पर दो कागज़ों को चिपकाऐं। एक पेपर कहता है, " परियोजना बंद करो" और दूसरा कहता है "परियोजना में सुधार करो।"
- सभी को कमरे में घूमते हुए सोचने के लिए कहें। फिर उस कथन के निकट खड़े हो जाये जो उनकी राय को सबसे अच्छा दर्शाता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई दृढ़ता

से मानता है कि परियोजना को रोका जाना चाहिए। उन्हें सीधे बयान के बगल में खड़ा होना चाहिए। अगर कोई निश्चित नहीं है लेकिन प्रभावों को कम करने की दिशा में झुक रहा है "परियोजना में सुधार" की ओर थोड़ा सा संकेत है तो वे कमरे के केंद्र में खड़े हो सकते हैं।

- जब एक बार सभी सहभागी अपनी अपनी जगह खड़े होने के लिए चुन ले तो प्रत्येक समूह के एक व्यक्ति से पूछें कि उन्होंने कमरे के उस किनारे पर खड़े होना या उस कथन का विकल्प क्यों चुना। फिर केंद्र में खडें लोगों से पूछे कि वे कैसा महसूस करते हैं, और उन्हें क्या अतिरिक्त जानकारी चाहिऐ, यदि कोई हैं, जिससें वे अपना निर्णय ले सकतें है। प्रशिक्षक के रूप में सहभागी से प्रश्न करे और अन्य सहभागियों को बताएं कि वे किसी भी समय अपना विचार बदल सकते है। फिर चाहें उनका खुदसे अपना विचार बदले या अपने दोस्तों के तर्क पर जाये।

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1-30-2:30 **स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति**

समझाएं कि जब समुदायों का अपनी आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में निर्णयों पर नियंत्रण होता है। और इस बात की पूरी समझ कि उनकी पसंद का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, वे विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं। लेकिन जब विकास के फैसले समुदाय से परामर्श किए बिना निगम, सरकारें और बैंक द्वारा लिए जाते हैं तो अक्सर सामान्य लोग छूट जाते हैं। और उन गलत फैसलों की कीमत उनकों चुकानी पड़ती है।

विकास परियोजनाओं के निर्णयों में स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति स्थानीय लोगों को औपचारिक भूमिका देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मूलनिवासी और स्थानीय समुदाय के कानूनी सुरक्षा का एक रूप है। स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति मूलनिवासी लोगों के अधिकारों की घोषणा (यूएनडीआरआईपी) और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय समझौतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति का क्या अर्थ है? प्रत्येक शब्द पर सहभागियों से विस्तार से चर्चा करे।

- सहभागियों से पूछें कि विकास के संदर्भ में उनके लिए "स्वतंत्र" का क्या अर्थ है। संक्षेप में: अपने या अपने परिवार या समुदाय के भीतर बल, ज़बरदस्ती, डराने–धमकाने या रिश्वतखोरी की धमकी के बिना निर्णय लेने की क्षमता।
- सहभागियों से पूछें कि "पूर्व" का अर्थ विकास के संदर्भ में क्या है। संक्षेप में: पूर्व का अर्थ है पहले। कोई भी व्यक्ति जो किसी परियोजना से प्रभावित हो रहा है या होगा, को परियोजना शुरू होने से पहले अपनी स्वीकृति देना – या परियोजना आगे नहीं बढ़ सकती। इसका मतलब यह भी है कि लोगों को बहुत शुरुआत से ही योजना की प्रक्रिया में शामिल करना चाहिए जब परियोजना सिर्फ एक विचार है। पूर्व का मतलब न केवल किसी प्रोजेक्ट के शुरू होने से पहले, बल्कि परियोजना में किसी भी बदलाव से पहले या विस्तार करने से पहले।
- सहभागियों से पूछें कि इस संदर्भ में उनके लिए "सूचित" का क्या अर्थ है। संक्षेप में: सूचित का अर्थ है कि सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को स्पष्ट कर दिया गया है और इसमें शामिल सभी लोगों द्वारा समझ लिया गया है। यह जानकारी स्थानीय भाषाओं में अनुवाद होनी चाहिए ताकि यह सभी के लिए सुलभ हो सके। इसमें मुआवजे और पुनर्वास की शर्तें, पर्यावरण, स्वास्थ्य और सामाजिक प्रभाव आकलन, परियोजना की सभी औचित्य योजनाए शामिल हैं।
- सहभागियों से पूछें कि वे इस संदर्भ में "सहमति" का क्या अर्थ समझते हैं। संक्षेप में: सहमति का अर्थ है समझौता या अनुमोदन। लेकिन दीर्घकालिक विकास परियोजना के मामलों में, इसका मतलब है कि इसमे शामिल सभी लोगों ने अनुमोदन दे दिया लेकिन

समय समय पर षर्तो बदलाव हो सकते है। इसका मतलब यह भी है कि समुदाय का अधिकृत प्रतिनिधि – समुदाय का सही नेता ही सिर्फ इस निर्णय के बारे मे बताये। कोई भी व्यक्ति नहीं बताये जिसे परियोजना का मालिक हॉ कहने के लिए भूगतान कर सकता हैं।

प्रशिक्षक मूलनिवासी लोगों के लिए स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति पर निम्नलिखित 8 मिनट के वीडियो को दिखा सकते है। https://vimeo.com/66708050. कृपया ध्यान दें वीडियो अंग्रेजी में है इसलिऐ सहभागियों को अनुवाद के लिए वीडियों रोकने की जरूरत होगी।[2]

अब संक्षेप में प्रस्तुत करें:

स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति एक सामूहिक अधिकार है। परियोजना को आगे बढानें के लिए समुदाय को मिलकर निर्णय लेना चाहिए। यह निर्णय अपने पारंपरिक सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया के माध्यम से ही होना चाहिऐ। यदि ये निर्णय लेने की प्रक्रिया समुदाय का नेतृत्व या समुदाय के कुछ हिस्सों का नेतृत्व करें, या किसी परियोजना को अस्वीकार करे, तब भी इनके निर्णय का सम्मान किया जाना चाहिए।

यदि संघर्ष है, तो सहमति नहीं है। हो सकता हैं अक्सर किसी समुदाय के कुछ हिस्सें परियोजना का समर्थन करतें है। जबकि समुदाय के अन्य हिस्से परियोजना का विरोध करेंगें जो उसके "खिलाफ" हैं। जो परियोजना के "समर्थन" में है उनको कुछ प्रोजेक्ट डेवलपर समुदाय को विभाजित करने का प्रयास भी करेगें। और यह परियोजना पर किसी समुदाय की सामूहिक निर्णय लेने की क्षमता को कमजोर कर सकता है और समुदाय में चल रहे तनाव को बढा सकता है।

यह भी संभव है कि एक परियोजना से कई समुदाय प्रभावित होंगे लेकिन कोई एक समुदाय अन्य की तुलना में अधिक प्रभावित हो रहा होगा। अगर ऐसा है, तो अन्य समुदायों के साथ एक सामान्य दृष्टिकोण विकसित करने की कोशिश करना ज़रूरी है ताकि सबसे अधिक प्रभावित समुदायं की आवाज बुलंद हो।

संवाद सहमति नहीं है। आप जब परियोजना की निगरानी करते हैं तो प्रोजेक्ट डेवलपर्स और अधिकारियों से बात करना महत्वपूर्ण है। लेकिन डेवलपर्स के साथ बात करने का मतलब यह नहीं है आप परियोजना के लिए सहमत हैं। आप केवल जानकारी एकत्र करने के अपने अधिकार का उपयोग कर रहे हैं। केवल सूचित सहमति ही वास्तविक सहमति है। जब हम भविष्य के निर्णय के प्रभाव के बारे में जानकारी के आभाव में कोई निर्णय लेते हैं, तो हमारें वह निर्णय गलत साबित होने की संभावना अधिक होती है। जितना सभंव हो बड़ी विकास परियोजनाओं के मामले में बिना जानकारी के कोई सहमति नहीं दि जानी चाहिए। यह परियोजना बनाने वाले की जिम्मेदारी है कि इस जानकारी को एक सें अधिक स्थानीय भाषा में उपलब्ध करायें और सरलता से समुदाय के लिए सुलभ हो।

सहमति अस्थाई रहनी चाहिए। परियोजना के प्रारंभिक चरण योजना और प्रत्येक नए चरण से पहले परियोजना डेवलपर्स को समुदाय की सहमति लेनी चाहिए। इसका मतलब है की कि यदि आप पहले चरण में परियोजना के किसी पहलू से सहमत हैं। लेकिन डेवलपर को अगले चरण में फिर से अपकी सहमति लेना अनिवार्य है। यदि समुदाय का पुनर्वास की संभावना है तो नियम और शर्तों पर समुदाय के साथ बातचीत की जानी चाहिए। स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति के सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए।

2:30-3:30 जनवकालत का परिचय

बता दें कि दोपहर के सत्र में जल प्रशासन में जनभागीदारी पर जोर देगें। सुबह की चर्चा पर आधारित स्वतंत्र और पूर्व, और सूचित सहमति के सिद्धांतों पर गौर करते हुऐ। इस बात पर समूह के साथ आम सहमति तक पहुंचे कि क्या वे परियोजना को रोकने, या परियोजना प्रभाव को कम करने के लिए विशिष्ट उपाय की वकालत करना चाहेंगे।

सभी जनवकालत और अभियान प्रयासों के लिए एक 'मूल' संदेश की आवश्यकता होती है।

2 बगांली भाषा में स्वतंत्र, पूर्व, और सूचित सहमति वीडियों का अनुवाद यहा उपलब्ध है : https://www.youtube.com/watch?v=C7LB7SYqFr8&ab_channel=KapaeengFoundation

यह मूल संदेश आपके जनवकालत कार्यों की नींव है। मूल संदेश के मुख्य तत्व हैं:

समस्या	कारण	समाधान

समस्या

- समस्या क्या है
- समस्या कितनी गंभीर है/हो सकती है
- कौन प्रभावित है / प्रभावित हो सकता है
- क्या होगा अगर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया

कारण

- अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक विकास के माध्यम से सरकार की नीति हो सकती है। उदाहरण के लिए विदेशी कंपनियों को प्रोत्साहन प्रदान करना ताकि वे हमारे देश में निवेश करें।
- इस बारे में सोचें कि यह नीति कहां से आ रही है और कौन इसका समर्थन कर रहा है।

उपाय

- हम क्या कर सकते हैं? इस बात पर ज़ोर देना बहुत ज़रूरी है कि कोई एक समाधान है। अन्यथा, आपके दर्शक शक्तिहीन, उदास और असहाय महसूस करेंगे।
- कुछ तत्काल "आसान कदम" उठायें जिससे आपको समर्थन प्राप्त हो सकें।
- हमेशा समाधान पर चर्चा करें – दिखाएँ कि आपने/आपके समूह/आपके आंदोलन ने क्या किया है या मदद कर रहा है।
- तत्काल समाधान का एक कदम दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा हो सकता हैं (दीर्घकालिक लक्ष्य से जोडें)

आपके संदेश पर कुछ सुझाव:

- इसे समझने के लिए आसान भाषा का उपयोग करे –संक्षिप्त और स्पष्ट रोज़मर्रा की भाषा का उपयोग करते हुए।
- मुद्दे को ठीक से तैयार करें – दर्शकों का ध्यान आर्कषित करने के लिए स्थिति के पहलुओं पर प्रकाश डालें। प्रासंगिक और उपयुक्त बनाने के लिए चित्रों और प्रतिकों का प्रयोग करें।
- अपने दर्शकों को पहॅचानें– वे क्या जानकारी रखते हैं? क्या कोई महत्वपूर्ण जानकारी है जो दर्शकों को आपसे सहमत होने और जो आप चाहते हैं वह करने के लिए तैयार करे ? उनके लिए कौन से मूल्य और धारणाऐ महत्वपूर्ण हैं? उनकी क्या जरूरत और प्राथमिकताऐं हैं? वे भावनात्मक रूप से कैसे प्रतिक्रिया देंगे?

3:30-3:45 **अवकाश**

3:45-4:30 **जनवकालत संदेश साझा करना**

- सहभागियों को तीन समूहों में विभाजित करें
- प्रत्येक समूह को उनके जनवकालत संदेष के बारे में 60 सेकंड का विवरण तैयार करने के लिए 15 मिनट का समय दें। और उन्हें बताऐ कि एक वक्ता नामित करे।
- यह सूनिष्चित करे कि वे समय–समय पर अपने फोन का उपयोग संदेष के समय निर्धारण में करे और अष्वस्त करे कि यह 60 सेकंड में खत्म हो जाए। उन्हें याद दिलाए कि इसे मजबूत, स्पष्ट और प्रेरक बनाये।
- समूह के प्रत्येक प्रतिनिधि से कक्षा के साथ अपना कथन साझा करने को कहें।
- प्रत्येक समूह द्वारा अपना कथन साझा करने के बाद हर एक क्या ताकत है उस पर चर्चा करें, उस पर प्रकाश डाले जिससे वह मजबूत और स्पष्ट बने है।

मॉड्यूल 7

जल प्रशासन में अभिनेता और उनका सरोकार

उद्देश्यः

- सहभागियों को यह सोचने में मदद करना कि वे जल अवसंरचना परियोजना को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।
- जल प्रशासन में विभिन्न हितधारकों की पहचान करना।
- प्रभुत्व और शक्ति के स्तर का आकलन कर एक हितधारक विश्लेषण करने में सक्षम होना।
- एक मुख्य जनवकालत संदेश तैयार करने के पीछे के सिद्धांतों को सीखना और एक मूल संदेश विकसित करने का अभ्यास करना।

सामग्रीः

- बोर्ड
- मार्कर
- हितधारक मानचित्रण टेम्पलेट (पहले से तैयार पोस्टर पेपर)
- पोस्टर पेपर
- स्टिकी नोट्स (विभिन्न रंगों में)
- कंप्यूटर
- प्रोजेक्टर

9:00-9:15 **किसी सहभागी को खेल या अभ्यास गतिविधि करने के लिए आमंत्रित करें**

9:15-9:45 **चर्चाः हितधारकों तक पहुंच**

इस बात पर जोर दें कि एक अच्छे जल संसाधन प्रशासन का अर्थ है जनता की सार्थक भागीदारी और स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति के सिद्धांतों का पालन करना। सहभागियों से पूछें कि क्या उन्होंने कभी अपने समुदाय की चिंता का विषय एक निर्वाचित राजनेता या सरकारी प्राधिकरण के ध्यान में लाया है। उसकी प्रक्रिया क्या थी, और क्या उसके परिणाम संतोषजनक थे? हमारे समुदाय में जनता के सामने मुद्दों को उठाने में क्या बाधाएं आती हैं? हमारे समुदाय के पास कौनसें संसाधन हैं जो हमारे प्रयासों को और मजबूत बना सकते है? सहभागियों को समुदाय संसाधन मानचित्रण के बारे में याद करने के लिए प्रोत्साहित करें जिसका इस कार्यशाला में पहले अभ्यास किया गया था।

9:45-10:45 **गतिविधिः हितधारक विश्लेषण**

- स्पष्ट करे कि हमारे जल संसाधनों को प्रभावित करने वाले विकास निर्णयों में भाग लेने के लिए हमें यह जानने की जरूरत है कि हमारे जल संसाधनों को प्रभावित करने वाली परियोजना की योजना कौन बना रहा है। इससे हमें यह पहॅचानने में मदद मिलेगी कि आपकी सहमति कौन लेगा, और उन्हें ऐसा करने में विफल कैसे करे, हमारे जनवकालत प्रयासों का यह लक्ष्य होना चाहिए।

- **समूह मंथनः** बोर्ड पर निम्नलिखित शीर्षक लिखेंः समुदाय समूह, स्थानीय सरकार, राज्य/प्रांतीय/राष्ट्रीय सरकार, कंपनियां, बैंक और निवेशक। समुदाय समूह से शुरुआत करते हुए, सहभागियों को विचार–मंथन करने के लिए कहे और पूछें कि इसमे कौनसे हितधारकों को शामिल किया जा सकता है। और प्रत्येक श्रेणी के तहत नाम नीचे लिख सकते हैं। यदि समूह अनिश्चित हैं तो एक प्रश्न चिह्न के साथ हितधारक का नाम लिखिए। निम्नलिखित कुछ उदाहरण हैंः

समुदाय समूह	स्थानीय सरकार	राज्य/प्रांतीय/राष्ट्रीय सरकार	कंपनियों	बैंक
स्थानीय मछुआरे संगठन स्थानीय जल यूजर ग्रुप स्थानीय महिला समूह	ग्राम नेता नगर परिषद् स्थानीय प्रदूषण नियंत्रण विभाग	पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय	चीन दातांग निगम पावर चीन राष्ट्रीय पनबिजली निगम	एआईआईबी (एशियाई आधारभूत संरचना निवेश बैंक) आयात निर्यात बैंक चीन

- **निम्नलिखित रंगों में सहभागियों को स्टिकी नोट्स देंः** हरा, पीला, लाल और नीला। सहभागियों को बोर्ड के नजदीक आने के लिए कहे। जिन हितधारकों वे जानते हैं कैसे संपर्क कर सकते और उनके साथ सहज संवाद हो सकता है। उनके बगल में हरा नोट्स लगाने के लिए कहें। उन हितधारकों के बगल में पीले नोट लगाने के लिए कहें जिनकों वे थोड़ी सहायता से संपर्क करने में सहज महसूस करेंगे। अंत में, उन हितधारकों के बगल में लाल नोट लगाये जिनके साथ संवाद करना बेहद मुश्किल होगा, और ऐसा करना उनको जोखिम में डाल सकता है।
- **सहभागियों को समूह के साथ साझा करने हेतु बुलाऐं।** उनसे पूछें कि उन्होंने प्रत्येक हितधारक के लिए उस रंग को क्यों चुना। प्रशिक्षक यह पूछते हुऐ टिप्पणियाँ आमंत्रित करे कि "आपने इस श्रेणी के लिए हरा क्यों चुना? इस व्यक्ति से संपर्क करने में आपको क्या सहज बनाता है?" इस समूह तक पहुंचने में आपको "क्या कम सहज बनाता है" और "आपको ऐसा क्यों लगता है कि इस समूह से संपर्क करना बहुत मुश्किल या असुरक्षित होगा?" सहभागियों के जवाब के साथ प्रशिक्षक सहभागियों की प्रतिक्रियाओं में अंतर के नोट ले सकते है। लिंग, व्यवसाय या जाति के अनुसार जबाव दे।
- **चार्ट को समग्र रूप से देखें** और सहभागियों की प्रतिक्रिया के आधार पर सार दे। समूह में भिन्नताओं पर ध्यान दें, उदाहरण के तौर पर क्या कुछ विशिष्ट हितधारकों से संपर्क करने में महिलाओं की तुलना में पुरुष अधिक सहज महसूस करते हैं ? क्या विशिष्ट व्यावसायिक या सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि वाले सहभागी दूसरों की तुलना में अधिक सहज महसूस करते है? साझा शक्ति की अवधारणा पर जोर दें जिसे हमने पहले कार्यशाला में सीखा है। और सहभागियों से यह सोचने के लिए कहे कि कैसे वे परियोजना हितधारकों तक पहुंच बढ़ाने के लिए एक दूसरे की मदद कर सकते हैं।

10:45-11:00 **अवकाश**

11:00-12:00 **सहयोगियों की पहचान**

- सहभागियों से विचार–मंथन करने के लिए कहें कि आप अपने जल संसाधन प्रशासन में भाग लेने के अवसर बढ़ाने हेतु किस प्रकार के सहयोगियों की मदद चाहते हैं। पर्यावरण मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करने में हमारी मदद कौन कर सकता है ? एआईआईबी को पत्र लिखने में कौन हमारी मदद कौन कर सकता है? जिसमे कुछ विचार शामिल हैंः जैसें स्थानीय स्कूल शिक्षक, निर्वाचित प्रतिनिधि, छात्र, विश्वविद्यालय प्रोफेसर, पत्रकार, स्थानीय नागरिक समाज संगठन, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

गैर–सरकारी संगठन (यदि संभव हो तो नाम से सूची बनाये), स्थानीय व्यापारी, धार्मिक नेता, जनहित वकील आदि।

- सहभागियों से कहे कि नीले स्टिकी नोट्स पर एक–एक करके अपने विचार लिखे और उन हितधारकों के बगल में चिपकाऐं जिन्हे वे महसूस करते हैं कि प्रत्येक विशेष सहयोगी पहुंच में मदद कर सकता है।

12:00-1:30 **लंच**

1:30-1:45 **जनवकालत का परिचय**

समझाएं कि जनवकालत में जनसमूह को शिक्षित करनां, दबाव बनाना, सहमत करनां और संगठित करना – उन लोगों और संस्थान को जो बदलाव ला सकते हैं।

जल प्रशासन के मुद्दों पर मजबूत भागीदारी की जनवकालत हेतु आपको दो प्रकार के दर्शकों पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करना चाहिए : निर्णय लेने वाले, या जिनके पास पावर और अधिकार – औपचारिक या अनौपचारिक – परिवर्तित या रोक सकते और दबाव बनाने वाले, या जो निर्णय निर्माताओं दबाव बना सकते या अन्य को प्रभावित करने या दबाव बनाने की शक्ति रखते हैं, और किसी मुद्दे पर जनता की आवाज उठा सकते।

1:45-2:30 **यथास्थिति गतिविधि**

बता दें कि सामाजिक परिवर्तन को धक्का अक्सर प्रतिरोध से मिलता है। खासकर उन लोगों द्वारा जो परिवर्तन या निर्णय से खतरे में है जो लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं उसमें शक्ति साझा नहीं करना चाहते हैं।

प्रत्येक समूह के लिए एक पोस्टर पेपर को दो कॉलम में विभाजित करें: वे जो वर्तमान स्थिति को बनाए रखना चाहते हैं और जो स्थिति को बदलना चाहते हैं। सहभागियों से पूछें:

- यथास्थिति (वर्तमान स्थिति) को कौन बनाए रखना चाहता है? किसे लाभ होता है और कैसे?
- यथास्थिति (वर्तमान स्थिति) से किसे नुकसान होता है? उनका सामाजिक स्थिति क्या है? उन्हें किन बाधाओं का सामना करना पड़ता है (उदाहरण के लिए निर्णय लेने वाले तक सीमित पहुंच, भाषा की बाधाएं, औपचारिक शिक्षा की कमी, आदि)?

कक्षा में वापस प्रस्तुत और चर्चा करें।

- आपके जनवकालत के प्रयासों द्वारा लाए गए परिवर्तनों से किसे लाभ होगा? कैसे?
- आपकी जनवकालत के प्रयासों द्वारा लाए गए परिवर्तनों से किसे खतरा होगा, संभावित रूप से समस्या का कारण क्या है?

2:30-2:45 **अवकाश**

2:45-3:15 **निर्णय लेने और दबाव बनाने वालो पर चर्चा**

बोर्ड पर "लक्षित दर्शक," "निर्णय निर्माता " और "दबाव निर्माता" लिखें और परिभाषित करें। बता दें कि जनवकालत के प्रयास दो प्रकार के दर्शकों पर केंद्रित होते हैं: निर्णय निर्माता, या जिनके पास पावर और अधिकार है – औपचारिक या अनौपचारिक – परिवर्तन करने और रोकने वाले; और दबाव बनाने वाले, या जिनके पास प्रभावित करने की शक्ति है या दबाव निर्णय निर्माताओं या अन्य परिवर्तन निर्माताओं, और जनता के मुद्धे पर आवाज उठाने वाले ।

यह चुनना कि आपको किन निर्णय निर्माताओं और दबाव निर्माताओं पर ध्यान केंद्रित करना है। इस बारे में सोचना पडेगां कि किसके पास पावर है, औपचारिक और अनौपचारिक किन प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करना है। और समस्या के समाधान में किसका हित है। इस बारे में सोचे:

निर्णयकर्ता :

- परिवर्तन करने या अवरुद्ध करने की षक्ति और अधिकार किसके पास है? कौन तय करता है कि इस समस्या का समाधान किया जाना है या उसकी उपेक्षा की जानी है?
- उनके कर्तव्य क्या हैं? उन्हें किसके लिए जवाबदेह ठहराया जा सकता है?
- उनकी शक्ति के स्रोत क्या हैं?
- उनकी सीमाएं क्या हैं? वे किसलिए भयभीत हैं?

औपचारिक और अनौपचारिक संरचनाएं:

- प्रासंगिक निर्णय लेने वाले निकाय क्या हैं? सरकार, मंत्रालयों या विभागों, एजेंसियों, समितियों, परिषदों,
- निदेशक मंडल, शेयरधारक, आदि की शाखाओं के बारे में सोचे
- वे कैसे संगठित हैं? विभिन्न स्तरों और विभिन्न निकायों के बीच क्या संबंध है?

निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ:

- कोई मुद्दा समस्या समाधान के एजेंडे का हिस्सा कैसे बनता है?
- समाधान कैसे माना, चुना और कार्यान्वित किया जाता है? प्रक्रिया क्या है?
- क्या जनता की भागीदारी के लिए अवसर हैं? वैकल्पिक समाधानों पर विचार करते समय क्या निर्णय निर्माताओं नागरिक समाज के साथ परामर्श करते है? यदि हां, तो प्रक्रिया के किस चरण मे? किस तंत्र के माध्यम से? क्या ये परामर्श निर्णय प्रभावित करते हैं? यदि हां, तो कैसे?
- किसको इन तंत्रों तक पहुंच है? किसकी आवाज सुनी जाती है? प्रतिनिधित्व ? महत्वपूर्ण माना जाता है?

3:15-4:00 **हितधारक मैपिंग**

नीचे दिए गए एक पोस्टर पेपर पर आरेख बनाएं और इसे बोर्ड पर चिपकाऐ। इसे समूह को समझाऐं, फिर पिछली चर्चा के आधार पर जल प्रषासन में विभिन्न हितधारकों के बारे में सोचने के लिए कहें। निर्णय लेने वालों और दबाव बनाने वालों पर ध्यान दें। जितना हो सके उतनी सूची बनाएं। सरकारी एजेंसियों के बारे में सोचे, निजी क्षेत्र, फाइनेंसर, शोधकर्ता, मीडिया, आदि।

पावर विश्लेषण मैप पर निर्णय निर्माताओं लगाने हेतु सहभागियों को आमंत्रित करे। पावर के सापेक्ष स्तरों और आपकी क्षमता के अनुसार आपकी वकालत का लक्ष्य समर्थन उन्हें प्रभावित करता है। फिर सहभागियों को परिवर्तनकर्ता को निर्णय निर्मातां के निकट लगाने के लिए कहे ताकि उनकी नजदीकी दबाव बना सकती हैं। समाप्त होने के बाद हितधारकों पर एक–एक करके चर्चा करें। सहभागियों से पूछें कि उन्होंने अपने नोट्स वहा लगाना क्यो तय किया, जहां उन्होंने लगाया है?

4:00-4:30 **संसाधन पर अधिकार की वकालत पर फिल्म**

कक्षा को एक फिल्म दिखाएँ जिसमें एक समुदाय की आजीविका को प्रभावित करने वाले संसाधन प्रशासन के मुद्दे में सहभाग लेने की वकालत के प्रयासों को दर्शाया गया है। समुदाय के सदस्यों द्वारा उपयोग की जाने वाली रणनीतियाँ उनकी सफलताएँ और चुनौतियाँ का चर्चा में अनुसरण करें। और यह कैसे समान या उन मुद्दों से भिन्न है जिनका सामना सहभागी स्वयं समुदाय में कर रहे है।

मॉड्यूल 8

क्षेत्र दौरे की तैयारी : समुदाय आधारित अनुसंधान कौशल

समुदाय आधारित अनुसंधान एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से समुदाय के सदस्य किसी समस्या की पहचान उनका अपना स्थानीय ज्ञान, उसके मूल कारणों का साझा विश्लेषण विकसित करना, और समाधान का प्रस्ताव पर निर्भर रहता हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से समुदाय पुनः विकास प्राथमिकताओं की पहचान करने की शक्ति प्राप्त कर सकते हैं जो उनकी आजीविका और जल संसाधनों की रक्षा करने के लिए उपयुक्त हैं।

समुदाय नेतृत्व अनुसंधान साधन और साध्य दोनों के रूप में विकास मॉडल का एक षक्तिषाली उपकरण साबित हो सकता है जो समुदाय चाहता हैं– एक ऐसी प्रक्रिया जहां शक्ति को साझा किया जाता है और सभी की आवाज सुनी जाती है[3]। नदियों के पारिस्थितिकत्र में परिवर्तनों पर चर्चा करने हेतु जब नदी के उपभोगता साथी के रूप में मिलते हैं तो अपने स्थानीय ज्ञान के आधार पर वे अक्सर महत्वपूर्ण जानकारी खोजते हैं। जिससे निर्णय निर्माता और योजनाकार अनभिगं रहते है। यह प्रक्रियां समुदायों को उन समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है जिनका वे सामना करते हैं और उनके ज्ञान में विश्वास का निर्माण करते हैं।

यह मॉड्यूल और फील्ड विजिट सहभागियों को नदी उपभोगता की व्यापक पहुँच के दृष्टिकोंण से, समस्याओं पर सोचने का अनुभव करने हेतु डिज़ाइन किया गया है। सहभागियों को साक्षात्कार के प्रश्नों को डिजाइन करना और गंभीर रूप से सुनने से मदद मिलेगी। नदी संरक्षण के लिए आवश्यक एकजुटता और जवाबदेही की साझा भावना विकसित कर संयुक्त वकालत से जुडने हेतु।

उद्देश्यः

- बुनियादी समुदाय नेतृत्व अनुसंधान कौशल सीखना
- विभिन्न नदी उपभोगता से कैसे संपर्क कर और स्थानीय जल संसाधनों एवं उनकी आजीविका में बदलावों के बारे में जानकारी लेना सीखना
- जल संसाधन प्रशासन में सामुदायिक भागीदारी हेतु प्रश्नों को विकसित करने के तरीकें जानना
- किसी स्थिति की संवेदनशीलता का आकलन करना और उसके अनुसार प्रतिक्रिया देने के तरीके जानना
- जल संसाधन प्रशासन और नदी संरक्षण में समान चुनौतियों का सामना कर रहे समुदायों के साथ एकजुटता विकसित करना

सामग्रीः

- बोर्ड
- पोस्टर पेपर
- कंप्यूटर
- प्रोजेक्टर
- वीडियो
- समाचार क्लिप
- समाचार पत्र फ़ोटो या समुदाय का मानचित्र जहॉ जाने वाले हैं।

3 अधिक जानकारी के लिए, कृपया सामुदायिक नेतृत्व अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय जवाबदेही परियोजना की सामुदायिक कार्रवाई मार्गदर्शिका देखें: https://accountabilityproject.org/work/community-organizing/community-action-guides/

9:00-9:30 **सहभागियों को क्षेत्र दौरे के लक्ष्यों का परिचय दें:**

- हमारी नदी के ऊपरी और नीचले हिस्सें में जल प्रशासन के मुद्दे समुदाय के सदस्यों के जीवन को कैसे प्रभावित कर रहे हैं। यह पता लगाने के तरीके विकसित करना।
- यह जानना कि कैसे एक समुदाय ने जल प्रशासन में निर्णय लेने वालों के साथ जुड़ने का प्रयास किया है।
- अपने जल संसाधनों के प्रशासन में सहभाग लेने के अपने प्रयासों में एक समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करना और उन्होंने उन चुनौतियों को कैसे संबोधित किया।
- अभ्यास किए गये विषय को अपने समुदाय में लागू करना।
- नदी उपभोगता के रूप में जल प्रशासन में सहभाग लेने और साझा जल संसाधनों की रक्षा करने के एक दूसरे के प्रयासों में मदद के तरीकों के बारे में सोचना।

9:30-10:30 **समुदाय का परिचय**

एक फील्ड विजिट आयोजित करने के लिए कार्यषाला टीम पहले ही एक आस–पास के समुदाय जिनका जल प्रशासन के मुद्दों का अनुभव रहा है या अनुभव किया हो, का चयन करेगी। एक जल विद्युत या सिंचाई बांध, पानी मोड़ परियोजना तटबंध, बैराज, या एक खनन या औद्योगिक गतिविधि जिससे विकास परियोजना के परिणामस्वरूप किसी नदी तक पहुंच में उसके प्रवाह को बदलना और/या पानी की गुणवत्ता को प्रभावित कर बाधा पैदा कर रहा हो।

जहॉ क्षेत्र दौरे के लिए जाना है उस जगह का परिचय दे और वहा समुदाय जल प्रषासन के किन समस्याओं का सामना कर रहा है। छोटें वीडियो, सामायिक समाचार पत्र, फ़ोटो, स्थान, और बातचीत के बारे में आपके पास जो भी अन्य जानकारी भ्रमणकर्ता के साथ साझा करें। चर्चा और प्रष्नों के लिए काफी समय दे।

10:30-11:00 **दौरें की तैयारी**

सहभागियों को छोटे समूह बनाये और समुदाय जिन मुद्दों का सामना कर रहा है उस पर चर्चा करें। समुदाय जिन समस्याओं का सामना कर रहा है उन्हें समझने के लिए पहले किस प्रकार की तैयारी करनें की आवश्यकता होगी। प्रत्येक समूह को चर्चा के लिए दस मिनट दे। फिर उन्हें कक्षा में अपने विचार साझा करने हेतु वापस बुलाये और उनके सुझाव बोर्ड पर लिखें। जिसमें शामिल होना चाहिए:

- समुदाय की पृष्ठभूमि जानें और उन्होंने परंपरागत रूप से अपना रहन–सहन कैसे बनाया।
- उन्होंने पहली बार कैसे समझ आया कि एक परियोजना उनके जल संसाधनों को प्रभावित कर रही है।
- परियोजना ने उनके समुदाय में क्या बदलाव किये सकारात्मक और नकारात्मक दोनों।
- उन बदलावों पर समुदाय सदस्यों ने कैसे भिन्न प्रतिक्रिया दी।
- समुदाय ने कोई जोखिम या चुनौती का सामना किया।
- जो समुदाय समान समस्याओं का सामना कर रहे उन समुदायों के लिए उनके पास क्या सलाह है।

11:00-11:15 **अवकाश**

11:15-12:00 **साक्षात्कार प्रश्नों की डिजाइन का एक परिचय**

सहभागियों को बताएं कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान समुदाय से पूछें जाने वाले प्रश्नों की डिजाइन हेतु छोटे समूह बनाये। उनसे पूछें कि किस प्रकार के प्रश्न साक्षात्कार में पूछना सही होगा। उत्तर में निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:

- सरल खुलें प्रश्न पूछें: कौन? क्या? कब? कहां? क्यों? कैसे? क्या आप बता सकते हैं कि क्या हुआ?
- अनुवर्ती प्रश्न पूछें: क्या आप मुझे और जानकारी दे सकते हैं? क्या आप ओर अधिक मुझे बता सकते ह?
- जब तक आवश्यक न हो तब तक हाँ या ना में प्रश्न न पूछें
- सीधें प्रश्न न पूछें। उदाहरण के लिए, "बांध ने आपकी आजीविका कैसे बरबाद किया?" बल्कि उसको ऐसे पूछे, "क्या बांध ने आपकी आजीविका मे कोई बदलाव किया है ?"
- एक बार में केवल एक ही प्रश्न पूछें। "कहां और कब हुआ" नही पूछना है" बल्कि "यह कब हुआ?" फिर "यह कहाँ हुआ?"
- प्रत्यक्ष जानकारी की तलाश करें: आप कैसे जानते हैं?
- घटनाओं का एक क्रम बनाएं: पहले क्या हुआ? फिर क्या हुआ? आगे क्या हुआ? उसके बाद क्या हुआ ? और फिर क्या हुआ?

अनुसंधान समूह बनायें। बोर्ड पर 3–5 प्रकार के जल उपभोगता लिखिए। उदाहरण तौर पर महिला, मछुआरे, समुदाय के नेता, युवा, किसान शामिल हो सकते हैं। सहभागियों को बोर्ड के समंक्ष बुलाये और समूह के अंतर्गत उनके नाम लिखने के लिए कहें। जो उन्हें सबसे उचित लगते है।

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1:30-3:00 **साक्षात्कार हेतु प्रश्नों की डिजाइन करना**

समूहों से उन प्रश्नों को मिलकर डिजाइन करने के लिए कहें जिन्हें वे समुदाय के सदस्यों से पूछना चाहते हैं। प्रत्येक समूह को प्रष्न डिजाइन करने के लिए 30 मिनट का समय दें।

प्रत्येक समूह को बड़े समूह में अपने प्रश्नों को प्रस्तुत करने के लिए वापस बुलायें। प्रत्येक समूह के प्रश्नों पर सहभागी अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव दे कि कैसे प्रश्नों में और सुधार किया जा सकता है। यह सुनिश्चित करें कि प्रश्न खुले हो लेकिन सीधें तौर पर पूछे जाने वाले ना हो। यह अक्सर काफी अभ्यास लेता है।

3:00-3:15 **अवकाश**

3:15-3:30 **सहमति स्थापित करना**

बता दें कि जल प्रशासन का मुद्दा संवेदनशील हो सकता हैं, इसलिए समुदाय के सदस्यों से बात करने से पहले उनकी सहमति लेना महत्वपूर्ण है। कक्षा के साथ "सूचित सहमति" को परिभाषित करें। यह महत्वपूर्ण क्यों है? सूचित सहमति प्राप्त किए बिना साक्षात्कार आयोजित करना अनैतिक क्यों है?

सूचित सहमति कैसे प्राप्त करें:

1. अपना और अपने इरादों का परिचय दें। बताएं कि आपको इस मुद्दे में रुचि क्यों है।
2. साक्षात्कारदाता को बिना दबाव अपनी पंसद से बोलने दें और उनसे पूछें कि वे बोलने में सबसे अधिक सुरक्षित कहां महसूस करेंगे।
3. साक्षात्कारदाता के उत्तरों को लिखित रूप में या फोन में रिकॉर्डर द्वारा दर्ज करने की अनुमति मांगें। सुनिश्चित करें कि वे अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र है। अगर वे सहमत हैं, तो पूछें क्या वे गुमनाम रूप से बोलना पसंद करेंगे।
4. बिना सहमति के लोगों की तस्वीरें न लें।

3:30-4:00 **एक साक्षात्कार के तत्व**

एक साक्षात्कार के तत्वों को इस प्रकार देखें:

- अपना और अपने इरादों का परिचय दें।

- गोपनीयता पर चर्चा करें।
- साक्षात्कारदाता की सहमति प्राप्त करें और क्या साक्षात्कार गुमनाम है।
- साक्षात्कार प्रश्न पूछें।
- साक्षात्कारदाता को चर्चा का नेतृत्व करने दें।
- ध्यान से सुने।
- यदि साक्षात्कारदाता सहमत है तो नोट्स लें या साक्षात्कार रिकॉर्ड करें।
- साक्षात्कारदाता को उनके कोई भी प्रश्न पूछने की अनुमति दें।
- अन्य लोगों के साक्षात्कार के लिए उनसे संपर्क करने के लिए कहें।
- साक्षात्कारदाता को उनके समय के लिए धन्यवाद दे।

जल संसाधन प्रशासन के मुद्दे एक समुदाय की आजीविका को मौलिक रूप से प्रभावित कर सकते हैं और उनके अधिकारों का उल्लंघन और संवेदनशीलता हनन, यहां तक कि आघात पहूँचा सकता है। एक साक्षात्कार में संवेदनशील मुद्दों के साथ व्यवहार के तरीकों पर चर्चा करें :

- अपने साक्षात्कारदाता को परेशान न करने का प्रयास करें और यदि आवश्यक हो तो ब्रेक ले।
- जब तक भरोसा स्थापित ना हो जाये तब तक संभावित संवेदनशील मुद्दों को न उठाएं।
- किसी को दर्दनाक अनुभव याद करने के लिए मजबूर न करें।
- समूह के गतिरोध से अवगत रहें और यदि संभव हो तो लोगों का अकेले में साक्षात्कार करें।
- संस्कृति के आधार पर, यह पुरुष शोधकर्ता के लिए एक महिला का अकेलें में साक्षात्कार करना उपयुक्त नहीं हो सकता है। इस मामले में सुनिश्चित करें कि एक महिला का साक्षात्कार एक महिला द्वारा संचालित हो, या एक महिला शोधकर्ता के साथ प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।
- बिना अभिभावक की अनुमति के किसी बच्चे का साक्षात्कार या उसकी तस्वीर न लें।
- जब बच्चें साथ हो तब वयस्कों से संभावित रूप से परेशान करने वाले मुद्दों पर चर्चा न करें।
- पुरुषों को कभी भी यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं का साक्षात्कार नहीं लेना चाहिए।

4:00-4:30 **साक्षात्कार का अभ्यास**

- कक्षा को दो समूहों में विभाजित करें। एक बुरा साक्षात्कार समूह और एक अच्छा साक्षात्कार समूह। प्रत्येक समूह से एक साक्षात्कारदाता और एक साक्षात्कारकर्ता को नामांकित करने के लिए कहें। प्रत्येक समूह को एक नकली–साक्षात्कार विकसित करने के लिए लगभग 15 मिनट समय दे।
- बुरे साक्षात्कार समूह को उनकी कक्षा के सामने अपना नकली साक्षात्कार करने के लिए कहें। साक्षात्कारकर्ता की खराब तकनीकों से कुछ हंसी आनी चाहिए। साक्षात्कार के बाद कक्षा से यह पहॅचानने के लिए कहें कि साक्षात्कारकर्ता ने क्या गलत पूछा। साक्षात्कारदाता से पूछे कि खराब साक्षात्कार से उन्हें कैसा महसूस हुआ। कक्षा से पूछें कि इसमें सुधार के लिये क्या करना चाहिए।
- अच्छे साक्षात्कार समूह को उनकी कक्षा के सामने नकली साक्षात्कार करने के लिए कहें। उन्होंने क्या सही किया? साक्षात्कार से अच्छी जानकारी कैसे प्राप्त हुई? साक्षात्कारदाता से पूछें कि उसने इस साक्षात्कार दौरान कैसा महसूस किया। क्या साक्षात्कार में कुछ और सुधार करने चाहिए?

अंत में यात्रा संचालन पर बात करे जिसमें यात्रा, भोजन और आवास की तैयारी शामिल है। यदि कोई समूह किसी जातीय अल्पसंख्यक या मूलनिवासी समुदाय का दौरा करना चाहता है। उस समूह के किसी सदस्य को स्थानीय रीति–रिवाजों, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और उचित अभिवादन के बारे में जानकारी साझा करने के लिए कुछ अतिरिक्त समय दें।

मॉड्यूल 9

जल संसाधन प्रशासन क्षेत्र का दौरा

उद्देश्यः

- आस–पास के समुदाय में नदी के उपभोगकताओं के दृष्टिकोण से जल संसाधन प्रशासन के मुद्दों के बारे में जानना।
- यह जानना कि कैसे एक समुदाय ने निर्णय लेने वालों के साथ योजना और विकास प्रक्रिया में सहभाग का प्रयास किया है।
- परियोजना के विभिन्न चरणों के दौरान स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति के सिद्धांत को क्या बरकरार रखा उसका आकलन करना।
- समुदाय को अपने जल संसाधनों के प्रशासन में सहभाग करने के प्रयासों में आने वाली चुनौतियों की पहचान करना और उन चुनौतियों को उन्होनें कैसे संबोधित किया।
- सहभागियों द्वारा सीखे गए पाठों को अपने समुदाय के उन मुद्दों पर लागू करना जिनका वे सामना कर रहे हैं।
- जल संसाधन प्रशासन और नदी संरक्षण समान चुनौतियों का सामना कर रहे समुदायों के साथ एकजुटता विकसित करना।

सामग्रीः

- नोटबुक
- पेन
- कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरणों के साथ मोबाइल फोन
- समुदाय के लिए उपहार और दान।

सुझाये गये क्षेत्र दौरे का प्रारूपः

1. एक समूह बैठक हेतु समुदाय के साथ व्यवस्था करने के लिए उपयुक्त सामान्य स्थान का चयन करे। जब समूह आए तो परिचय दें और आयोजक को धन्यवाद दे। समूह को औपचारिक रूप से संबोधित करने के लिए समुदाय के नेताओं और बुजुर्गों को आमंत्रित करे और समुदाय पर कुछ पृष्ठभूमि बताने के लिए कहे करें। प्रश्नों और जवाब के लिए समय दें।
2. पिछला दिन डिजाइन अनुसंधान समूहों के आधार पर बनाये गये छोटे समूह बनाये जैसें महिलाएं, मछुआरे, समुदाय के नेता, युवा, किसान, आदि। छोटे समूह के साक्षात्कार और चर्चा के लिए पर्याप्त समय दें।
3. समुदाय के साथ दोपहर का भोजन साझा करें।
4. दोपहर के भोजन के बाद समुदाय के प्रतिनिधियों से समूह को क्षेत्र के आसपास की सैर पर ले जाने के लिए कहें। जैसें, स्थानीय जलमार्ग, खेतं, उद्यानं, मछली पकड़ने के क्षेत्र, मैदानों का दौरा, और कोई भी विकास जो जल संसाधनों तक पहुंच को प्रभावित कर रहा है।

5. यदि समय है तो, सहभागियों को समुदाय के सदस्यों का स्वयं एक–एक साक्षात्कार आयोजित करने के लिए या छोंटे समूह में संपर्क करने का अवसर प्रदान करें ।
6. यात्रा के एक दिन आयोजको को धन्यवाद देने के लिए आम बैठक क्षेत्र में फिर से इक्टठा आयें और छोटे उपहार और दान स्थानीय स्कूल को करें।
7. नदी उपभोगकताओं के रूप में एकजुटता की भावना व्यक्त करने के लिए समूह के प्रतिनिधी के तौर पर एक प्रतिभागी को आमंत्रित करें। आप प्रतिनिधि के साथ पहले भाषण तैयार करने में मदद कर सकते हैं।
8. रात भर की यात्रा हेतु सामूहिक रात्रिभोज की व्यवस्था करने के लिए, गीतों और नृत्य, भाषणों और एक छोटे से सांस्कृतिक आदान–प्रदान के लिए समारोह आयोजक को धन्यवाद देने और सुबह उपहार व दान देने हेतु समुदाय के साथ काम करें।

क्षेत्रीय दौरे के आयोजन पर टिप्पणियाँः

- कृपया ध्यान रखें कि क्षेत्र दौरे के लिए बहुत पहले से योजना बनाने व तैयारी की आवश्यकता होती है। समुदाय में स्थानीय नेताओं से पहले ही व्यक्तिगत रूप से मिलने जाएँ। दौरें के उद्देश्यों को स्पष्ट करें और यात्रा आयोजन की व्यवस्था करें।
- समुदाय के नेताओं से पूछें कि किस तरह का दान समुदाय को उनके समय के लिए धन्यवाद के तौर पर सही रहेगा। और भोजन और ठहरने की बेहतर व्यवस्था के लिए क्या सही अनुदान होगा। सामुदायिक निधि और स्थानीय महिलाओं के समूह को भुगतान या व्यक्तिगतं तौर पर भुगतान किसे प्राथमिकता दी जायेगी। किस प्रकार का दान समुदाय में मनमुटाव पैदा कर सकता है।
- ऐसा समुदाय चुनें जो जल संसाधन प्रशासन के मुद्द से प्रभावित हुआ हो या रहा हो। हालाँकि, सुनिश्चित करें कि आपके दौरें के दौरान तनाव अधिक नही बडा हों। क्योंकि यह यात्रा सहभागियों और आयोजको की सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है।
- समुदाय के भीतर विभिन्न समूहों से अवगत रहें– उदाहरण तौर पर वह समूह जो परियोजना का समर्थन कर रहा है और दुसरा जो एक परियोजना के खिलाफ हैं– और सुनिश्चित करें कि आपकी यात्रा समुदाय में तनाव को बढ़ाएं नही।
- सुनिश्चित करें कि यौन उत्पीड़न से बचे, विशेष रूप से रात भर की एक यात्रा के दौरान। यदि शराब के सेवन से बचना सांस्कृतिक रूप से कठिन है तो अपने मेजबानों के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए बात करे कि यह एक निर्दिष्ट क्षेत्र में होगा है, और वह महिला प्रतिभागी स्वयं से मना करने में सहज महसूस करे। शाम के पीने के सत्रों के दौरान महत्वपूर्ण चर्चा या कथन करने से बचे, जैसे कि अक्सर होता है इससे महिलाओं की भागीदारी को बाहर रखा जाता है, इसलिए असमानता का ढांचा बना हुआ है।
- यह सुनिश्चित करे कि पुरुष और महिला सहभागी के 'सोने के कमरे एक दूसरे से दूरी पर हो। बाथरूम में पर्याप्त उजाला हो और महिला सहभागी रात में सुरक्षित रूप से सुविधाओं का उपयोग कर सकें। अगर संभव है तो महिला सहभागियों के दरवाजों में ताले लगायें। यदि दौरे के समय स्थानीय परिवारों के साथ घर में सोना है तो परिवारों की सावधानीपूर्वक जांच की जानी चाहिए। और महिला सहभागियों को आयोजक दल की एक महिला सदस्य के साथ रखा जाना चाहिए।

मॉड्यूल 10

क्षेत्र दौरें का प्रस्तुतिकरण और सीमापार जल संसाधन प्रशासन

उद्देश्य:

- क्षेत्र भ्रमण के दौरान सीखी बातों को साझा करना।
- सीमा पार जल प्रशासन में शामिल मुद्दों और अभिनेताओं का परिचय प्रदान करना।
- सीखे गए पाठों को सहभागीं अपने समुदायों में लागू करे।
- आयोजक समुदाय के साथ एकजुटता में भविष्य के संभावित कदमों पर चर्चा करना।

सामग्री:

- बोर्ड
- पोस्टर पेपर
- रंगीन कागज
- प्रोजेक्टर
- कंप्यूटर
- फोटो और एक लंबे नीले कपड़ा या चादर सहित सीमा पार जल प्रशासन गतिविधि के लिए नदी का प्रतीक, और नदी के किनारे जीवन को दर्शाने वाली 30–40 तस्वीरों का एक सेट। आप पारंपरिक कपड़ों और मछली पकड़ने के जाल, झंडे नदी के किनारे विभिन्न देशों के स्थानीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय शासी निकाय के संकेत और प्रतीक, आदि भी तैयार कर सकते हैं।

9:00-12:00

क्षेत्र दौर की प्रस्तुतियाँ और चर्चा

क्षेत्र दौरे से लौटने के बाद सहभागियों को अपने शोध समूहों में जो उन्होंने सीखा उस पर 15 मिनट की प्रस्तुति तैयार करने के लिए कहे। सामुदायिक बैठकें और छोटें समूह की बैठकों से प्राप्त टिप्पणियॉ और सूचनाऐं, समुदाय के चारों ओर घूमते हुऐ किये गये अवलोकन और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर प्रस्तुतियाँ हो सकती हैं। प्रशिक्षक सहभागियों को यात्रा में ली गई तस्वीरो को एक सरल पावर प्वाइंट स्लाइड जोडकर मदद कर सकते है। सहभागियों से कोई भी वाक्य शामिल करने के लिए कहें जिसे उन्होंनें समुदाय के सदस्यों से सुना हो और जो विशेष रूप से शक्तिशाली या व्यावहारिक हो।

प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के बाद समूह चर्चा का नेतृत्व करें (1) समुदाय ने कैसे योजना और विकास प्रक्रिया में भाग लेने के लिए निर्णय निर्माताओं के साथ जुड़ने का प्रयास किया, (2) क्या स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति के सिद्धांत परियोजना के विभिन्न चरणों के दौरान बरकरार रखे (3) कौन सी चुनौतियाँ जल संसाधन प्रशासन में भाग लेने में उनके प्रयासों में समुदाय को सामना करना पड़ा, और उन्होंने उन चुनौतियों का समाधान कैसे किया, (4) सहभागी सीखे गए सबक को अपने समुदाय द्वारा सामना किये जा रहे मुद्दों पर लागू कैसे कर सकते हैं (5) नदी के उपभोगकता के रूप में जल प्रशासन और साझा जल संसाधनों की रक्षा करने में सहभाग लेने के लिए एक दूसरे के प्रयासों मे मदद करने के तरीके।

नोटः यदि समय मिले तो कार्यशाला में सहभागीयो और समुदाय के प्रतिनिधियों का समूह फोटो का प्रिंट आउट लें और इसे एक कार्ड पर चिपकाएँ और कार्यशाला के सहभागी कार्ड पर हस्ताक्षर कर समुदाय सौपते हुये धन्यवाद दें। कार्यशाला के बाद इस चित्र की एक कापी समुदाय में लगाये।

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1:30-3:30 **सीमापार जल संसाधन प्रशासन पर संवादात्मक प्रदर्शन**[4]

प्रशिक्षक नोटः हालांकि यह गतिविधि सीमा पार जल प्रशासन की जटिलताओं को दूर करने का एक शानदार तरीका है। इसके लिए पहले से तैयारी की आवश्यकता होती है। आप नदी के प्रतीक के लिए एक लंबा नीला कपड़ा या चादर और 30–40 तस्वीरों का एक सेट चाहिए। तस्वीरों में नदी किनारे के जीवन को उसके स्रोत से लेकर उसके मुहाने तक दर्शाया जाना चाहिए। फोटो में मछुआरा समुदाय, विभिन्न प्रकार की नावों और मछली पकड़ने के उपकरणों का इस्तेमाल, विभिन्न नदी किनारे के लोगों के जातीय समूह और उनके पारंपरिक कपड़े, कला वास्तुकला, प्रसिद्ध स्थलचिह्न और ऐतिहासिक स्थल, प्रमुख प्राकृतिक विशेषताएं जैसे झरने, तेज धारा, झीलें, आदि स्थानीय जलमार्गों से प्राप्त पारंपरिक खाद्य पदार्थ, नदी किनारे के शहर और कस्बें, और बड़े पैमाने पर अवसंरचना और विकास परियोजनाएं जैसे बांध, राजमार्ग, पुल, खदान, सिंचाई चैनल आदि। पारंपरिक कपड़ों और मछली पकड़ने के जाल, नदी के किनारे विभिन्न देश के झंडे, स्थानीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रों के संकेत और प्रतीक, शासी निकाय आदि सामान आप भी तैयार कर सकते हैं।

- नीले कपड़े के ऊपरी भाग को दीवार के ऊपर एक मीटर या उससें अधिक लगाएँ, फिर उसे कक्षा के एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हुए जमीन तक लटकाऐं। बता दें कि कपड़ा नदी का प्रतीक है। ऊपरी भाग स्रोत के रूप में और निचला भाग मुंहाने के रूप में।
- सहभागियों से पूछें कि क्या वे जानते हैं कि नदी का स्रोत कहां है। यह किस देश में है, किस जातीय समूह के लोग हैं, और वे अपना आजीविका कैसे बनाते हैं?
- सहभागियों से पूछें कि नदी किन देशों से होकर गुजरती है, और समुद्रं में कहाँ खाली होती है।
- सहभागियों को दो दो की जोड़ियों में विभाजित करे, और प्रत्येक जोड़ी को 6–7 तस्वीरें दें। उनसे प्रत्येक तस्वीर में क्या है और उन्हें क्या लगता है यह फोटो कहां लिया गया पर चर्चा करने के लिए कहें। जोड़ियों को चर्चा के लिए दस मिनट का समय दें।
- उनके अनुसार नदी के जिस हिस्से का भी वह फोटों है उसको हरेक समूह को नीले कपड़े पर उस हिस्सें में लगाने के लिए कहें।
- एक बार जब सभी ने अपनी तस्वीरें कपड़े पर लगा दे तब जो अतिरिक्त सामग्रीं

4 This activity was originally developed by Tom Weerachat of International Accountability Project

सहभागियों ने अपने तैयार की है उन्हें भी प्रदर्शन के लिये नीले कपडे पर जोडें।

- समूह से पूछें कि क्या आप हर फ़ोटो और सामंग्री की जगह से सहमत है, क्या सभी एक दूसरे के संबंध में सही भौगोलिक स्थिति में हैं? चर्चा के लिए समय दें और तस्वीरों का स्थान बदलें।
- चर्चा को निम्नलिखित प्रष्न पूछकर आगे बढायें : हमारा समुदाय कहां है? किन जल प्रशासन निकायों के अधिकार क्षेत्र मे कौन से क्षेत्र है? क्या प्रत्येक क्षेत्र में जल संसाधनों और नदी के पूरे संरक्षण के लिए कानून हैं? क्या देशों के बीच कोई जल बंटवारा समझौता है? क्या कोई बड़े पैमाने की विकास परियोजनाएं नदी के प्रवाह और नदी किनारे के समुदायों को प्रभावित कर रहा है ? वे कहाँ स्थित हैं, उन्हें कौन नियंत्रित करता है, उनसे किसे लाभ होता है, और सबसे अधिक प्रतिकूल रूप से कौन प्रभावित होता है? क्या कोई नदी को प्रदूषित करने वाले उद्योग है ? नदी के किनारे पर रहने वाले लोगों को समस्याओं पर चर्चा करने और उनके हितों की वकालत करने के लिए मिलने कौनसे अवसर मौजूद हैं? क्या संसाधन प्रशासन के मुद्दों को संबोधित करने के लिए सहयोग करने वाले समूहों के कोई सफल उदाहरण हैं?
- सहभागियों से पूछें कि क्या वे नदी पर किसी अतिरिक्त बड़े पैमाने की परियोजनाओं की योजना या निर्माण चरण बारे में जानते हैं। रंगीन कागज पर उनके चित्र बनाएं। अतिरिक्त परियोजना को जोडें जिसकी जानकारी सहभागीयों को ना हो। सहभागियों के साथ चित्रों को नदी परियोजना पर सही जगह पर लगाने मे मदद करे।
- **चर्चा करें:** इन अतिरिक्त परियोजनाओं से नदी कैसे बदलेगी? किसका लाभ होगा और इन बदलावों से कौन पीड़ित हो सकता है? इन परियोजनाओं के बारे में निर्णय लेने के लिए कौन जिम्मेदार है? और स्थानीय लोगों के पास निर्णय प्रक्रिया में शामिल होने के क्या अवसर हैं?

मॉड्यूल 11

जल प्रशासन भूमिका नाटक, भविष्य की योजनाएं और मूल्यांकन

उद्देश्य:

- जल प्रशासन नाटक के माध्यम से सीखे गए पाठों की समग्र समीक्षा करना।
- सहभागियों को विभिन्न हितधारकों पदों को स्पष्ट करने का अवसर देना।
- जनसमूह में बोलने और बातचीत के कौशल का अभ्यास करना ।
- भविष्य की सहयोगपूर्ण गतिविधियों की योजनाओं पर विचार–मंथन करना।
- कार्यशाला का मूल्यांकन करना।

सामग्री:

- बोर्ड
- पोस्टर पेपर
- मार्कर
- नाम कार्ड
- जल प्रशासन नाटक के लिए सहायक सामग्री

9:00-9:30 **ऊर्जावान गतिविधि और समीक्षा**

सहभागियों ने कार्यशाला पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रतिदिन क्या क्या किया। बताई गई गतिविधियों और सीखे गए पाठों की समीक्षा करे।

12:00 **जल प्रशासन नाटक**

कार्यशाला स्थल के एक सामान्य क्षेत्र में निम्नलिखित सूचना चिपकाऐं। सहभागियों को बताये कि एक महत्वपूर्ण घोषणा लगाई गई है। सूचना पढ़ने के लिए सभी को बाहर लाये।

सार्वजनिक सूचना पट्ल

यीन डू जलविद्युत बांध परियोजना के निर्माण के लिए जगह देने हेतु इस कार्यशाला के सहभागियों को 26 जून तक यहा से स्थानांतरित होने की जरूरत है।

चाइना सदर्न पावर ग्रिड कंपनी लिमिटेड

यह एक वास्तविक सूचना है ऐसा मानते हुऐं सहभागियों को संकेत पर अपनी प्रतिक्रिया देने दे। सहभागियों को बताये कि उन सभी को इस नाटक में अलग–अलग भूमिका निभाना है। स्टिकर या नाम कार्ड तैयार करके निम्नलिखित भूमिकाएँ दे:

- सरकार (3 लोग)
- समुदाय (7 लोग)
- कंपनी (2 लोग)
- स्थानीय एनजीओ (2 लोग)
- जनहित वकील (2 लोग)
- अन्य संभावित भूमिकाएँ: पुलिस अधिकारी, सुरक्षा गार्ड, मीडिया, परियोजना
- सलाहकार, बैठक अध्यक्ष, आदि।

बतायें कि सुबह 10:30 बजे परियोजना को लेकर जनसुनवाई होगी और सहभागियों के पास बैठक की तैयारी के लिए एक घंटे का समय है। उनसे अपने लक्ष्यों पर ध्यान देने लिए और आप बैठक के परिणाम को कैसे प्रभावित करना चाहते हैं। और ऐसा करने के लिए कौन सी रणनीतियां उन्हें उपयोग करना चाहिए। चाहे तो आप सहायक सामान बनाना सकते है। उनके दृष्टिकोण में उपयोगी जैसे कि संकेत, पोस्टर, बैनर, परियोजना दस्तावेज, ईआईए रिपोर्ट, मानचित्र, पुनर्वास योजनाएं आदि। बता दें कि सुनवाई के लिए 15 मिनट का समय होगा, लेकिन यह स्पष्ट न करें कि प्रत्येक समूह को कब तक बोलने की अनुमति दी जाएगी।

10:30-10:45 **जनसुनवाई**

कमरे को व्यवस्थित करें ताकि दर्शकों में समुदाय और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ, सरकार और कंपनी के प्रतिनिधि कमरे के सामने बैठ सकें। पावर असंतुलन की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए सरकार और कंपनी के प्रतिनिधियों की मेज आप कपड़े, और पीने के पानी की व्यवस्था, नाश्ते की ट्रे और ताजे फल, उन पर चलते हुऐ पंखे, आदि से सजा सकते हैं। बैंठक के संचालन के लिए एक चेयरपर्सन रखें, और सरकार और कंपनी को बोलने के लिए 13 मिनट का समय दे और समुदाय और नागरिक समाज के प्रतिनिधि को बैठक अचानक बंद होने से 2 मिनट पहले बोलने के लिए कहे।

10:45-11:15 **समुदाय और नागरिक समाज के प्रतिनिधि नाराज़ होंगे** (इस समय हस्तक्षेप करने के लिए, आपको "सुरक्षा गार्ड" की आवश्यकता हो सकती है)। और पहले से कहीं अधिक अपने हितों की वकालत के लिए उत्सुक हैं। सभी को सूचित करें कि उनके पास दूसरी जनसुनवाई की योजना बनाने के लिए 30 मिनट का समय होगा जो 11:15 बजे प्रारंभ होगी। समुदाय और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को समान समय के लिए जोर देने और अपनी मांगों को मजबूती से रखने लिए प्रोत्साहित करें।

11:15-11:30 **दूसरी जन सुनवाई आयोजित करें।** इस बार सभी हितों को अपनी बात रखने के लिए पर्याप्त समय की अनुमति दें।

11:30-12:00 **संक्षिप्त विवरण**

चूंकि इस नाटक की भूमिका निभाने के बाद सहभागी क्रोधित भी हो सकते हैं। इसलिए सभी उनके नाम टैग को हटाने के लिए और उन्हें समूह के केंद्र में फेंकने को कहें। आपने मूलरूप मे लौंटने के लिए सभी को आँखें बंद करं और गहरी साँस लेने का व्यायाम करवाये। संक्षिप्त कर निम्नलिखित प्रश्न पूछें :

- कंपनी के हित क्या थे?
- सरकार और समुदाय के सदस्यों के हित क्या थे?

- प्रत्येक समूह ने अपने हितों की वकालत कैसे की?
- उन्होंने वकालत की कौन–सी रणनीतियों का प्रयोग किया?
- कौनसी रणनीतियां सफल रहीं? असफल?
- क्या सुलह की दिशा में कोई प्रगति हुई है?
- आपने जो भूमिका निभाई, उससे आपने क्या सीखा?
- असल जिंदगी में आप अलग तरीके से क्या करेंगे?
- इस मुद्दे पर आगे बढ़ने के लिए आपकी अगली योजना क्या होगी?

12:00-1:30 **भोजन अवकाश**

1:30-2:30 **भविष्य की योजनाएं**

इस कार्यशाला से हमने जो सीखा है। उसको हम जल संसाधन प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता की भागीदारी ओर अधिक समानता की वकालत करने के लिए कैसे उपयोग कर सकते हैं? सहभागियों से उन समस्याओं की पहॅचान करने के लिए कहें जिन्हें वे संबोधित करना चाहते हैं और जिसमे वे परिवर्तन चाहते हैं। बोर्ड पर उनके विचारों को नोट करें।

- आप एक छोटे लेकिन मजबूत संदेश के माध्यम से कैसे सवांद कर सकते हैं?
- आपके संदेश के लिए दर्शक कौन है?
- अपने लक्षित दर्शकों तक संदेश पहुंचाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है? उदाहरण तौर पर , किसी सार्वजनिक कार्यक्रम के माध्यम से, सामुदायिक सभा, खेल, सोशल मीडिया अभियान, या कहानी सुनाना।

बतायें कि एक अच्छे जल प्रषासन की वकालत करने के लिए कई तरह की रणनिती और उपकरण हैं।. आपके द्वारा चुनी गई रणनीति या वह संदेश जिसे आप बताना चाहते हैं , लक्ष्य, हितधारक और लक्षित दर्शक के आधार पर भिन्न होगी। समुदाय अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अक्सर विभिन्न प्रकार की रणनिती अपनाते हैं।

विभिन्न जनवकालत रणनितीयॉ और उपकरणों पर विचार–मंथन करें, और सहभागियों के विचारों को बोर्ड पर लिखें। आवश्यकतानुसार ओर जोड सकते है। विचारों में शामिल हो सकते हैं:

- पत्र लिखना और याचिकाएं लगाना।
- निर्वाचित अधिकारियों, संसद सदस्यों, कंपनी के प्रतिनिधि के साथ सीधे पैरवी करने के लिए बैठकें।
- उन समितियों में भाग लेना या उन समितियों में योगदान जो आपके हितो को प्रभावित करने वाले निर्णय लेती हैं।
- व्यापक समर्थन प्राप्त करने के लिए अन्य समूहों के साथ नेटवर्क बनाना।
- औपचारिक प्रक्रियाओं के लिए निवेदन लिखना (जैसे कानून सुधार, परामर्श)।
- सार्वजनिक दिवस जैसें सफाई दिवस, वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करना या अन्य व्यावहारिक क्षेत्र की गतिविधियाँ या कार्य।
- सार्वजनिक मंचों का आयोजन कर जल प्रषासन के मुद्दों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित करना।
- सोशल मीडिया अभियानों का आयोजन।
- सार्वजनिक विरोध या प्रदर्शन।
- सर्वेक्षण और रिपोर्ट प्रकाशित करना।
- समुदाय के नजरिए से जानकारी देने और मुद्दे का कवरेज बढ़ानें के लिए मीडिया तक

पहुंचना। प्रेस कॉन्फ्रेंस करना।

- आध्यात्मिक समारोह– प्रार्थना, नदी और वृक्ष आशीर्वाद।
- कला/फोटो प्रदर्शनी, फिल्म स्क्रीनिंग, या संगीत कार्यक्रम का आयोजन।
- शिकायत तंत्र में मुकदमा या शिकायत दर्ज करना।

चर्चा करें कि समूह के लक्ष्यों के लिए कौन से विचार सबसे उपयुक्त हैं। योजनाओं को अमल में लाने विचार–मंथन करे कि कौन से संसाधन पहले से उपलब्ध हैं, और किन अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता है। समूह के भीतर विविध हित और राय रखते हुए समापन चर्चा का नेतृत्व करें। हमारे साझा मूल्यों के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता हमें अपने साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु मिलकर काम करने में सक्षम बनाएंगे।

2:30-2:45 **अवकाश**

2:45-3:30 **मूल्यांकन**

सभी को एक बड़े घेरे में बैठने और कुछ क्षण निकाल कर पिछलें कार्यशाला सत्रों पर विचार करने लिए कहे। प्रत्येक सहभागी से एक बात का उल्लेख करना है जो उन्हें कार्यशाला में पसंद आई, एक महत्वपूर्ण सीखा सबक, और एक बात जो वे अगली कार्यशाला में सुधार करना चाहते हैं।

3:30-4:30 **समापन समारोह**

सहभागियों को एक गोल घेरे में खड़ा करे और इस पर चिंतन करने के लिए कहे कि हम कैसे सुनिश्चित करे कि जल संसाधनों और एक स्वस्थ नदी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए भविष्य में मिलकर अन्याय की जड़ों को संबोधित करें और समान पहुंच को बढ़ावा दें। सहभागियों को कहे कि वे तत्काल कार्यो पर ध्यान केंद्रित करे जो वे अपने परिवार, दोस्तों, संगठन या समुदाय के साथ कर सकते हैं। घेरे में घूमें और प्रतिबद्धताओं को एक–एक करके साझा करें।

सहभागियों को कार्यशाला में भागीदारी और बुलंद इरादों के लिए और भविष्य के लिए अपनी संपर्क जानकारी देने हेतु धन्यवाद दे।

अतिरिक्त संसाधन

स्वतंत्र, पूर्व, और सूचित सहमति

कार्यवाही अधिकारः इंडिजिनस लोगों के लिए स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति (एफपीआईसी) : एशिया इंडिजिनस पीपल्स पैक्ट bit.ly/AIPPFPICvideo

इंडिजिनस लोगों के लिए स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति पर प्रशिक्षण नियमावली (एफपीआईसी) : एशिया इंडिजिनस पीपल्स पैक्ट bit.ly/AIPPFPICmanual

ऑक्सफैम द्वारा स्वतंत्र,, पूर्व और सूचित सहमति के लिए गाइडः bit.ly/OxfamFPICguide

एक प्रशिक्षक नियमावलीः रेड+ पहल में स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति को अभ्यास में लाना, आरईसीओएफटीसी – द सेंटर फॉर पीपल एंड फॉरेस्ट, द इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल इन्वाइरन्मन्ट स्ट्रैटजीज़ (आईजीईएस) और नॉर्वेजियन एजेंसी फार डिवेलप्मन्ट कोआपरेशन (नोराड), http://www.recoftc.org/site/resources/Putting-Free-Prior-and-Informed-Consent-into-Practice-in-REDD-Initiatives.php

स्वतंत्र,पूर्व और सूचित सहमति, जलवायु परिवर्तन और इंडिजिनस लोगों पर रेड+ का प्रभाव पर एशिया इंडिजिनस पीपल्स पैक्ट द्वारा निर्मित एक वीडियोः https://www.forestpeoples.org/en/topics/redd-and-related-initiatives/news/2013/04/video-produced-aipp-indigenous-peoples-and-redd

बांध विकास,

बांध, नदियां और अधिकारः बांधों से प्रभावित समुदायों के लिए एक कार्यवाही गाइड, हिंदी सहित 19 भाषाओं में उपलब्ध है स्पेनिश, थाई, उर्दू, फ्रेंच, खमेर, चीनी, और अरबी : https://www.internationalrivers.org/resources/capacity-building-tools/dams-rivers-and-rights-an-action-guide-for-communities-affected-by-dams-2007/

बांधों के विकास से प्रभावित लोगों के लिए पुनर्वास गाइडः https://www.youtube.com/watch?v=cgLf4eMV138:

बांध और जलवायु परिवर्तन, नदियों को अवरोध पहुंचाने के लिए गलत जलवायुः https://www.youtube.com/watch?v=A8JtoednlbY

वीडियोः कोंडिट बांध को बंद करनाः https://www.youtube.com/watch?v=4LxMHmw3Z-U

वीडियोः एल्वा नदी का जीर्णोद्धारः https://www.youtube.com/watch?v=VipVo8zPH0U

विकास में जनता की भागीदारी

एशियाई विकास बैंक पर सामुदायिक कार्यवाई मार्गदर्शिका चार में उपलब्ध है। भाषाएँः बर्मी, अंग्रेजी, सिंहली और तमिलः https://accountabilityproject.org/work/community-organizing/community-action-guides/

समुदाय कार्यवाई मार्गदर्शिका : विकास क्या हैः https://accountabilityproject.org/wp-content/uploads/2020/11/Community_Action_Guide_What-is-Development.pdf

समुदाय आधारित अनुसंधान पर सामुदायिक कार्यवाई पर मार्गदर्शिका उपलब्ध है अंग्रेजी, बर्मी, खमेर, पुर्तगाली, स्पेनिश, रूसी, उज़्बेक, थाई और वियतनामी : https://accountabilityproject.org/work/community-organizing/community-action-guides/

भावी स्त्रीवादी : एक स्त्रीवादी मानचित्रकार की टूलकिटः https://www.awid.org/resources/co-creating-fearless-futures-feminist-cartographers-toolkit

प्रशिक्षण पद्धति

परिवर्तन के लिए प्रशिक्षणः http://www.trainingforchange.org/

परिवर्तन एजेंसी http://www.thechangeagency.org/

इन्अरनेषनल थियेटर आफ द ओप्रेसड आर्गेनाइजेसन : http://www.theatreoftheoppressed.org/en/index.php?nodeID=1

भागीदारी के तरीके, दृष्टिकोण और उपकरण, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठनः http://www.fao.org/Participation/toxols/PRA.html

समूहों को सक्रिय करने के 100 तरीकेः कार्यशालाओं, बैठकों और समुदाय में उपयोग करने के लिए खेल, अंतर्राष्ट्रीय एचआईवी/एड्स गठबंधन
http://www.icaso.org/vaccines_toolkit/subpages/files/English/energiser_guide_eng.pdf

सहजता के तरीके, खेल और ऊर्जा देने वाले खेल http://workshops.350.org/facilitation/

शांति निर्माण और संघर्ष परिवर्तन

युवा शांति निर्माण प्रशिक्षण, हिंसा और सुलह के अध्ययन के लिए केंद्र और अंतर्राष्ट्रीय बचाव समितिः https://www.csvr.org.za/docs/peacebuilding/tsudan.pdf

Sweden
Sverige

TROSA
TRANS-BOUNDARY
RIVERS OF SOUTH ASIA

OXFAM

INTERNATIONAL
RIVERS
PEOPLE • WATER • LIFE